भारत की जनगणना 1991

श्रृंखला-8

हरियाणा

1991 का पेपर-1

जनसंख्या के अनन्तिम आंकड़े

वी.एस. चौधरी
भारतीय प्रशासनिक सेवा
निदेशक, जनगणना कार्य, हरियाणा

भारत की जनगणना 1991
अनन्तिम परिणाम

हरियाणा

प्रशासनिक खंड 1991

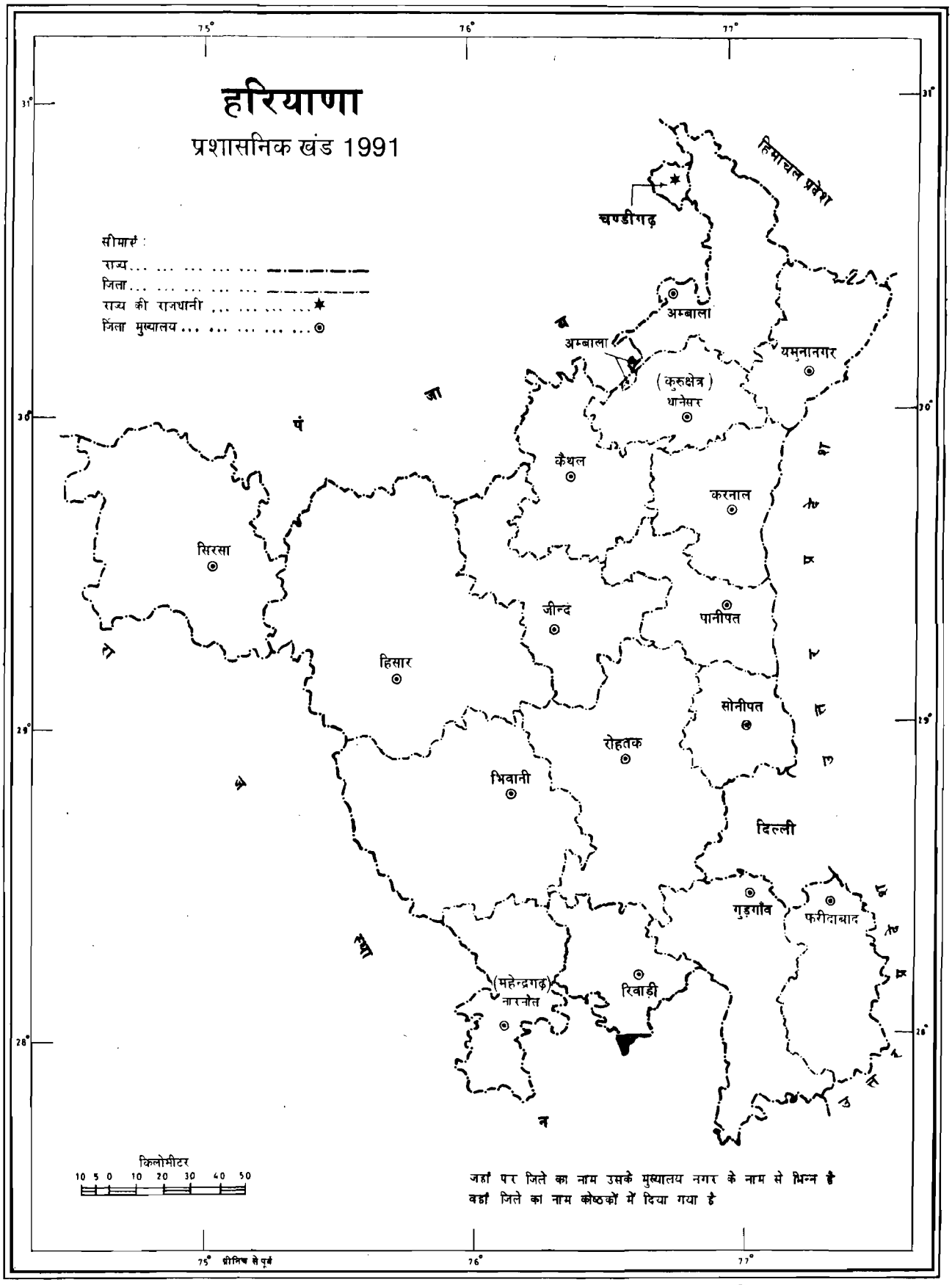

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 1991

विषय सूची

	पृष्ठ
आँकड़े एक दृष्टि में	1
आभारोक्ति	3
विवरण I	5
विवरण II	6
पृष्ठभूमि-टिप्पणी	27
विश्लेषणात्मक टिप्पणी	37
अनन्तिम जनसंख्या सारणियां	
1. जिलों के अनुसार जनसंख्या का वितरण, स्त्री/पुरुष अनुपात, वृद्धि दर और जनसंख्या का घनत्व	43
2. 1901 से लेकर जनसंख्या में दशकीय अन्तर	44
3. एक लाख और उससे अधिक की जनसंख्या वाले शहरों/नगरीय समूहों को दर्शित करने वाला विवरण	45
4. साक्षरता	46
मानचित्र और रेखाचित्र	
मानचित्र	
1. प्रशासनिक खण्ड, 1991	आन्तरिक शीर्षक के सामने
2. जनसंख्या का घनत्व, 1991	11
3. जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दरें (1981—1991)	13
4. स्त्री/पुरुष अनुपात, 1991	15
रेखाचित्र	
1. जिलों की तुलनात्मक जनसंख्या, 1991	17
2. जिलों का तुलनात्मक क्षेत्रफल, 1991	19
3. जनसंख्या वृद्धि, 1901—1991	21
4. स्त्री/पुरुष अनुपात, 1901—1991	23
5. जनसंख्या की दशकीय प्रतिशत वृद्धि दर, 1901—1991	25

आंकड़े एक दृष्टि में

भारत की जनगणना 1991 जनसंख्या के अनन्तिम आंकड़े

क. हरियाणा की जनसंख्या

योग	16,317,715
पुरुष	8,705,379
स्त्रियां	7,612,336

ख. दशकीय जनसंख्या वृद्धि 1981—91

(1) वास्तविक	3,395,596
(2) प्रतिशत	+ 26·28 प्रतिशत

ग. जनसंख्या का घनत्व

369 व्यक्ति प्रति वर्ग कि·मी·

घ. स्त्री/पुरुष अनुपात

प्रति 1,000 पुरुषों पर 874 स्त्रियां

ङ. साक्षरता दर

(सात वर्ष और उससे अधिक आयु की अनुमानित जनसंख्या में साक्षरों का प्रतिशत)

योग	55·33 प्रतिशत
पुरुष	67·85 प्रतिशत
स्त्रियां	40·94 प्रतिशत

आभारोक्ति

हम उन सभी 30,000 प्रगणकों और सुपरवाइजरों की सुदृढ़ सेना को धन्यवाद देते है, जिन्होंने रण-भूमि में "अज्ञात-सैनिकों" की भाँति "आपरेशन जनगणना" को करने का बीड़ा उठाया । उनकी सहर्ष भागीदारी के बिना इस बृहद कार्य को सफलता पूर्वक सम्पन्न करना सम्भव नहीं था । इसके पश्चात्, मैं उपायुक्तों, एस·डी·ओ· (सिविल), शहरी मजिस्ट्रेटों, तहसीलदारों और नगरपालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों और सचिवों का भी आभारी हूं जिन्हें राज्य सरकार की अधिसूचना के माध्यम से जनगणना अधिनियम के अधीन उनके अपने-अपने क्षेत्रों में प्रधान जनगणना अधिकारियों, उप-खण्ड जनगणना अधिकारियों, जिला जनगणना अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों के रूप में इस महान कार्य में सम्मिलित होने के लिये पद नामित किया गया था । राज्य सरकार के इन अधिकारियों को क्षेत्र में अपने कर्तव्य पालन में विविध प्रकार के कार्य करने होते हैं परन्तु उन्होंने मुझे कभी भी ऐसा अहसास नहीं होने दिया कि जनगणना का कार्य किसी भी प्रकार से कम महत्व का कार्य है ।

इस प्रकार के किसी भी बृहद कार्य को राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग के बिना सफलता पूर्वक सम्पन्न नहीं कराया जा सकता । चाहे श्री कुलवन्त सिंह, मुख्य सचिव ने विभिन्न मसलों पर हमारे अनुरोध को स्वीकार करने में हमेशा तत्परता दिखाई, नोडल विभाग होने के नाते राजस्व विभाग, जिसके पास हमें हर कार्य के लिए जाना पड़ता था, विशेष उल्लेख का पात्र है । मैं श्री अम्लेंदु बनर्जी, वित्त आयुक्त और सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग और उनके उत्तराधिकारी श्री बी·एस· ओझा का अत्यधिक आभारी हूं । मैं उन सभी डिवीजनल कमिश्नरों का भी आभारी हूं जिन्होंने अपने-अपने प्रभागों में जनगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण देने में गहरी दिलचस्पी ली और नियमित रूप से जनगणना कार्य की स्थिति की समीक्षा की ।

मैं श्री एस·सी· चौधरी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा का भी आभारी हूं जिन्होंने हमें जनगणना कार्य के लिए स्कूलों में कार्यरत अध्यापकों की सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति प्रदान की जब कि इससे कुछ सीमा तक अध्यापन कार्य भी प्रभावित हुआ । मैं श्री ए·एल· कटियाल, आर्थिक और सांख्यिकीय सलाहकार, हरियाणा सरकार का भी आभारी हूं जिनके क्षेत्रीय अधिकारियों ने अपने आपको जनगणना संगठन का ही एक अंग समझा और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने, वास्तविक मकानसूचीकरण और गणना कार्य की जांच और पर्यवेक्षण करने तथा चार्ज और जिला स्तर पर परिणामों का संकलन करने में गहरी दिलचस्पी ली ।

इस प्रकार के किसी भी बृहद कार्य को सफलता पूर्वक करने के लिए दो आधारभूत तत्वों की आवश्यकता होती है : प्रथम, प्रशासनिक विदग्धता और द्वितीय, तकनीकी जानकारी । जहाँ तक प्रथम तत्व का सम्बन्ध है उसे मैं भरपूर मात्रा में उपलब्ध करा सकता था जबकि जनगणना निदेशालय के अधिकारियों में तकनीकी ज्ञान और अनुभव आवश्यकता से अधिक मात्रा में उपलब्ध था । मैं जनगणना निदेशालय में अपने सहयोगियों विशेषकर श्री आर·के· अग्रवाल और श्री जे·आर· वशिष्ट, उप निदेशकों, श्री जी·डी· सिंगला, सहायक निदेशक और श्री एस·आर· पुरी, अनुसंधान अधिकारी पर किसी भी कार्य के लिए हमेशा निर्भर रह सकता था । यहाँ उन सभी अन्वेषकों, सांख्यिकीय सहायकों, संगणकों, भूगोलवेत्ताओं, कलाकारों और नक्शानवीसों के नामों का उल्लेख करना सम्भव नहीं है, जिन्होंने तत्परता और कुशलता से कार्य को सम्पन्न करने में कोई कसर नहीं उठा रखी, मैं उनके द्वारा किए गए कठोर परिश्रम और दिए गए सहयोग के लिए उनका भी आभारी हूं ।

अन्त में, मैं भारत के महारजिस्ट्रार श्री अमूल्य रत्न नन्द और मुख्यालय के समर्पित अधिकारियों और कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमेशा ही हमारा मार्गदर्शन किया और जब भी हम उनके पास कोई समस्या लेकर गए वे हमारी समस्याओं को सुलझाने के लिए सदैव उत्सुक और तत्पर रहे ।

चण्डीगढ़,
15 मार्च, 1991

वी॰एस॰ चौधरी
निदेशक, जनगणना कार्य, हरियाणा

विवरण I

जनसंख्या का वितरण, स्त्री/पुरुष अनुपात, घनत्व और जनसंख्या वृद्धि दर

भारत/राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	1991 में जनसंख्या			स्त्री/पुरुष अनुपात		घनत्व		वृद्धि दर	
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	1981	1991	1981	1991	1971–81	1981–91
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
भारत	843,930,861	437,597,929	406,332,932	934	929	216	267	+ 24.66	+ 23.50
1 आन्ध्र प्रदेश	66,304,854	33,623,738	32,681,116	975	972	195	241	+ 23 10	+ 23.82
2 अरुणाचल प्रदेश	858,392	461,242	397,150	862	861	8	10	+ 35.15	+ 35 86
3 असम	22,294,562	11,579,693	10 714,869	अनु०	925	230	284	+ 23.36	+ 23 58
4 बिहार	86,338,853	45,147,280	41,191,573	946	912	402	497	+ 24 06	+ 23.49
5 गोवा	1,168,622	593,563	575,059	975	969	272	316	+ 26.74	+ 15.96
6 गुजरात	41,174,060	21,272,388	19,901,672	942	936	174	210	+ 27 67	+ 20.80
7 हरियाणा	16,317,715	8,705,379	7,612,336	870	874	292	369	+ 28 75	+ 26.28
8 हिमाचल प्रदेश	5,111,079	2,560,894	2,550,185	973	996	77	92	+ 23 71	+ 19 39
9 जम्मू और कश्मीर	7,718 700	4,014,100	3,704,600	892	923	59	76	+ 29.69	+ 28 92
10 कर्नाटक	44,817,398	22,861,409	21,955,989	963	960	194	234	+ 26 75	+ 20.69
11 केरल	29,011,237	14,218,167	14,793,070	1,032	1,040	655	747	+ 19 24	+ 13.98
12 मध्य प्रदेश	66,135,862	34,232,048	31,903,814	941	932	118	149	+ 25.27	+ 26.75
13 महाराष्ट्र	78,706,719	40,652,056	38,054,663	937	936	204	256	+ 24 54	+ 25.36
14 मणिपुर	1,826,714	931,511	895,203	971	961	64	82	+ 32 46	+ 28 56
15 मेघालय	1,760,626	904,308	856,318	954	947	60	78	+ 32 04	+ 31 80
16 मिज़ोरम	686,217	356,672	329,545	919	924	23	33	+ 48 55	+ 38.98
17 नागालेण्ड	1,215,573	643,273	572,300	863	890	47	73	+ 50.05	+ 56 86
18 उड़ीसा	31,512,070	15,979,904	15,532,166	981	972	169	202	+ 20.17	+ 19 50
19 पंजाब	20,190,795	10,695,136	9,495,659	879	888	333	401	+ 23 89	+ 20 26
20 राजस्थान	43,880,640	22,935,895	20,944,745	919	913	100	128	+ 32.97	+ 28.07
21 सिक्किम	403,612	214,723	188,889	835	880	45	57	+ 50 77	+ 27.57
22 तमिलनाडु	55,638,318	28,217,947	27,420,371	977	972	372	428	+ 17.50	+ 14 94
23 त्रिपुरा	2,744,827	1,410,545	1,334,282	946	946	196	262	+ 31.92	+ 33 69
24 उत्तर प्रदेश	138,760,417	73,745,994	65,014,423	885	882	377	471	+ 25 49	+ 25 16
25 पश्चिम बंगाल	67,982,732	35,461,898	32,520,834	911	917	615	766	+ 23 17	+ 24 55
26 अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	277,989	152,737	125,252	760	820	23	34	+67.93	+ 47 29
27 चण्डीगढ़	640,725	357,411	283,314	769	793	3,961	5 620	+ 75 55	+ 41 88
28 दादरा और नागर हवेली	138,542	70,927	67,615	974	953	211	282	+ 39.78	+ 33.63
29 दमन और दीव	101,439	51,452	49,987	1,062	972	705	906	+ 26.07	+ 28 43
30 दिल्ली	9,370,475	5,120,733	4,249,742	808	830	4,194	6,319	+ 53 00	+ 50 64
31 लक्षद्वीप	51,681	26,582	25,099	975	944	1,258	1,615	+ 26 53	+ 28 40
32 पांडिचेरी	789,416	398,324	391,092	985	982	1,229	1,605	+ 28 15	+ 30 60

टिप्पणी : 1. 1981 में असम में जनगणना नहीं की गई थी । 1971 की जनगणना की जनसंख्या और 1991 की जनगणना के अनन्तिम आंकड़ों के आधार पर 1981 को असम की जनसंख्या का आन्तर-गणन किया गया है ।

2. वर्ष 1981 के लिए असम के संशोधित अनुमानों के परिणामस्वरूप 1981 की भारत की कुल जनसंख्या 683,329,097 मानी गई है जबकि पहले यह जनसंख्या 685,184,692 प्रकाशित की गई थी।

3. संशोधित आकड़ों के परिणामस्वरूप, भारत की 1971–81 की वृद्धि दर 24.66 प्रतिशत मानी गई है ।

4. जम्मू और कश्मीर में 1991 की जनगणना अभी तक नहीं कराई गई है । इस राज्य के आंकड़े जनसंख्या प्रक्षेपण संबंधी विशेषज्ञों की स्थायी समिति, अक्तूबर, 1989 द्वारा यथा प्रक्षेपित आंकड़े हैं।

विवरण II

साक्षरता

भारत/राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	कुल जनसंख्या, 1991		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
भारत *	836,212,161	433,583,829	402,628,332
आन्ध्र प्रदेश	66,304,854	33,623,738	32,681,116
अरुणाचल प्रदेश	858,392	461,242	397,150
असम	22,294,562	11,579,693	10,714,869
बिहार	86,338,853	45,147,280	41,191,573
गोवा	1,168,622	593,563	575,059
गुजरात	41,174,060	21,272,388	19,901,672
हरियाणा	16,317,715	8,705,379	7,612,336
हिमाचल प्रदेश	5,111,079	2,560,894	2,550,185
कर्नाटक	44,817,398	22,861,409	21,955,989
केरल	29,011,237	14,218,167	14,793,070
मध्य प्रदेश	66,135,862	34,232,048	31,903,814
महाराष्ट्र	78,706,719	40,652,056	38,054,663
मणिपुर	1,826,714	931,511	895,203
मेघालय	1.760,626	904,308	856,318
मिज़ोरम	686,217	356,672	329,545
नागालैण्ड	1,215,573	643,273	572,300
उड़ीसा	31,512,070	15,979,904	15,532,166
पंजाब	20,190,795	10,695,136	9,495,659
राजस्थान	43,880,640	22,935,895	20,944,745
सिक्किम	403,612	214,723	188,889
तमिलनाडु	55,638,318	28,217,947	27,420,371
त्रिपुरा	2,744,827	1,410,545	1,334,282
उत्तर प्रदेश	138,760,417	73,745,994	65,014,423
पश्चिम बंगाल	67,982,732	35,461,898	32,520,834
अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	277,989	152,737	125,252
चण्डीगढ़	640,725	357,411	283,314
दादरा और नागर हवेली	138,542	70,927	67,615
दमन और दीव	101,439	51,452	49,987
दिल्ली	9,370,475	5,120,733	4,249,742
लक्षद्वीप	51,681	26,582	25,099
पाण्डिचेरी	789,416	398,324	391,092

* जम्मू और कश्मीर के आंकड़े सम्मिलित नहीं हैं ।

विवरण II

साक्षरता

7 वर्ष और उससे अधिक की आयु की साक्षर जनसंख्या			7 वर्ष और उससे अधिक की आयु की अनुमानित जनसंख्या में साक्षरों का प्रतिशत					
			1981			1991		
व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
361,713,246	**230,150,363**	**131,562,883**	**43.56**	**56.37**	**29,75**	**52.11**	**63.86**	**39.42**
24,840,456	15,675,060	9,165,396	35.66	46.83	24.16	45.11	56.24	33.71
282,147	190,691	91,456	25.54	35.11	14 01	41.22	51.10	29.37
9,631,529	5,862,115	3 769,414	अनु०	अनु०	अनु०	53.42	62.34	43.70
26,854,389	19,176,364	7,678,025	32.03	46.58	16 51	38.54	52.63	23.10
782,002	440,396	341,606	65 71	76.01	55.17	76.96	85.48	68.20
21,265,395	13,070,534	8,194,861	52.21	65 14	38 46	60.91	72.54	48.50
7,431 708	4,872,757	2,558 951	43.85	58.49	26.89	55:33	67.85	40.94
2,724,609	1,602,266	1,122,343	51.17	64 27	37.72	63.54	74.57	52.46
21,074,117	12,868,146	8,205,971	46.20	58 72	33 16	55.98	67.25	44.34
22,657,985	11,508,235	11,149,750	81 56	87.74	75.65	90.59	94.45	86.93
23,491,956	16,101,046	7,390,910	34.22	48 41	18.99	43.45	57.43	28.39
42,800,914	26,193,454	16,607,460	55.83	69.66	41.01	63.05	74.84	50 51
895,223	542,513	352,710	49.61	64 12	34.61	60.96	72.98	48.64
689,419	377,281	312,138	42.02	46.62	37.15	48.26	51.57	44.78
462,246	250,962	211,284	74.26	79.37	68.60	81.23	84.06	78.09
621,048	360.526	260,522	50.20	58.52	40.28	61.30	66.09	55.72
12,911,905	8,392,320	4,519 585	40.96	56.45	25.14	48.55	62.37	34.40
9.952,965	5,897 599	4,055,366	48.12	55.52	39.64	57.14	63 68	49.72
13 618,272	10 143,275	3,474,997	30.09	44.76	13.99	38.61	55.07	20 84
186,779	115,502	71,277	41.57	52.98	27 35	56.53	64.34	47 23
30,383,416	18,066,226	12,317,190	54.38	68.05	40.43	63.72	74.88	52 29
1,368,567	821,403	547,164	50.10	61.49	38.01	60.39	70.08	50.01
46,871,095	33,268,503	13,602,592	33.33	47.43	17 18	4 1·7 1	55.35	26.02
32,719,340	20,053,418	12,665,922	48.64	59.93	36.07	57.72	67 24	47.15
170,349	102,839	67.510	63.16	70.28	53.15	73.74	79.68	66.22
426,009	252,922	173,087	74.81	78 89	69.31	78.73	82.67	73.61
45,073	30,582	14,491	32.70	44.69	20.38	39.45	52.07	26.10
61,497	35,968	25,529	59.91	74.45	46.51	73.58	85.67	61.38
5,949,528	3,570,973	2,378,555	71.93	79 28	62.57	76.09	82.63	68.01
33,562	19,046	14,516	68.42	81.24	55.32	79 23	87.06	70.88
509,746	287,441	222,305	65 14	77 09	53.03	74.91	83.91	65.79

प्राणचित्र
और
रेखाचित्र

भारत की जनगणना 1991
अनन्तिम परिणाम

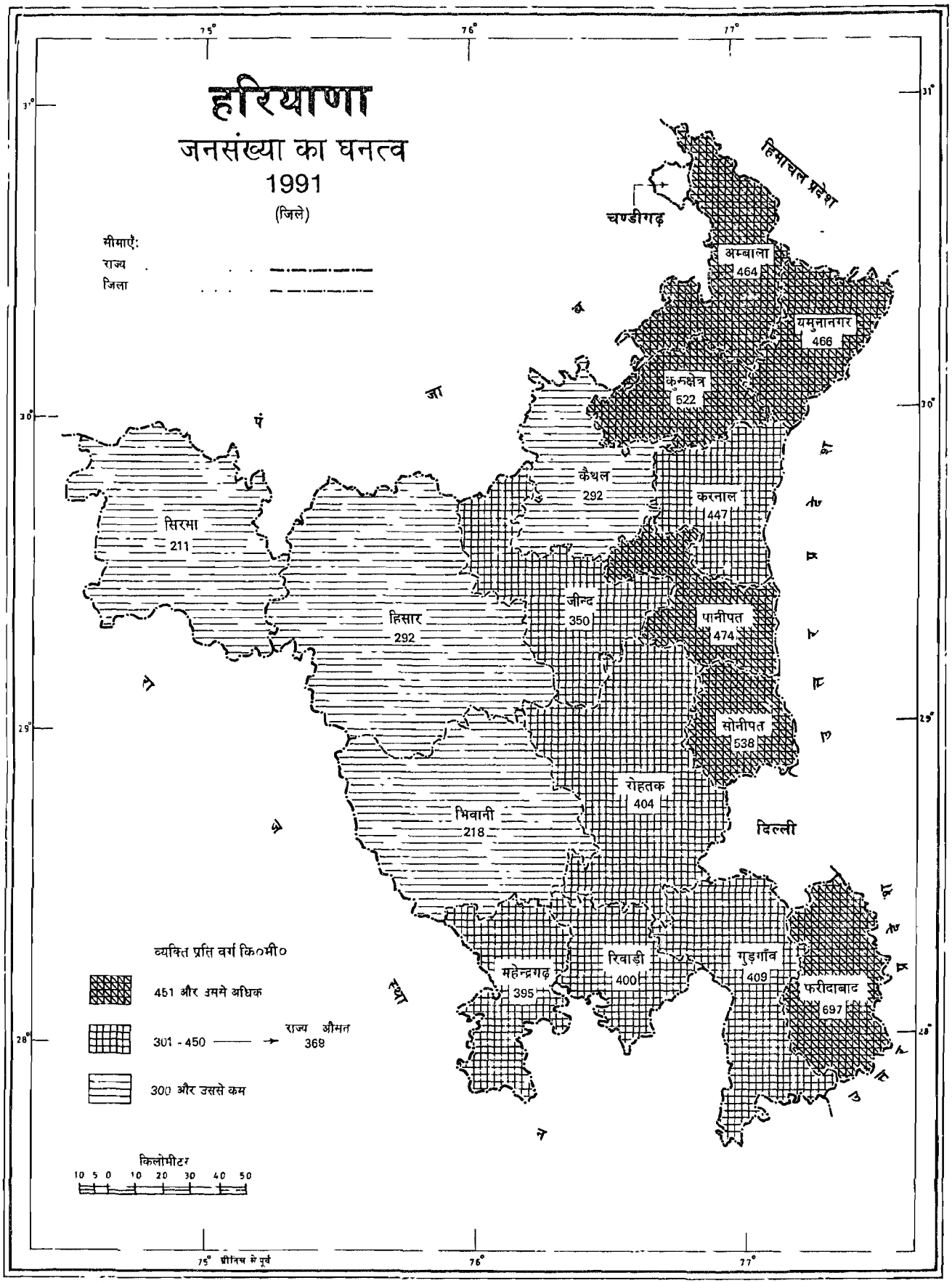

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्यधिकार, 1991

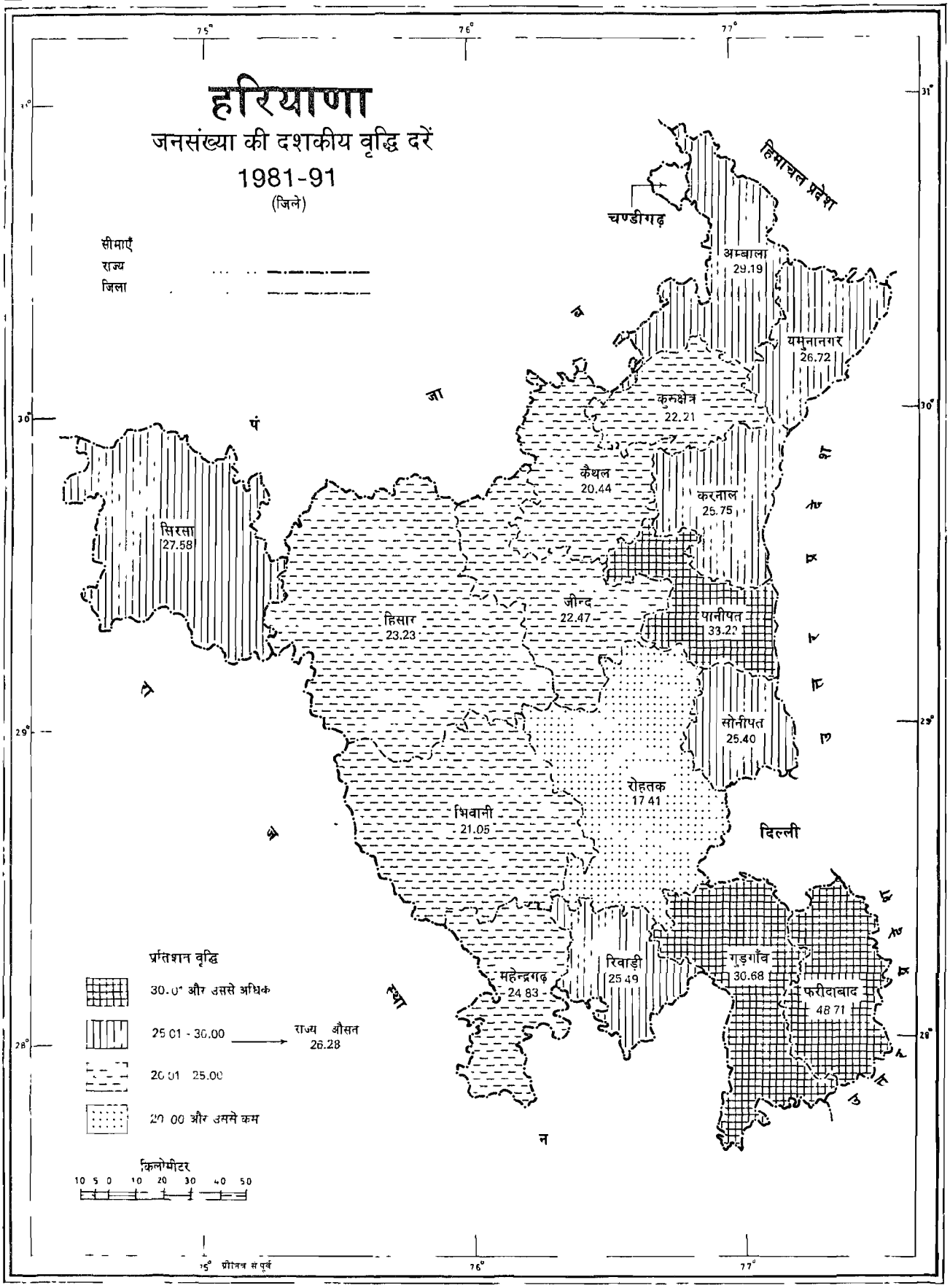

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्यधिकार, 1991

भारत की जनगणना 1991
अनन्तिम परिणाम

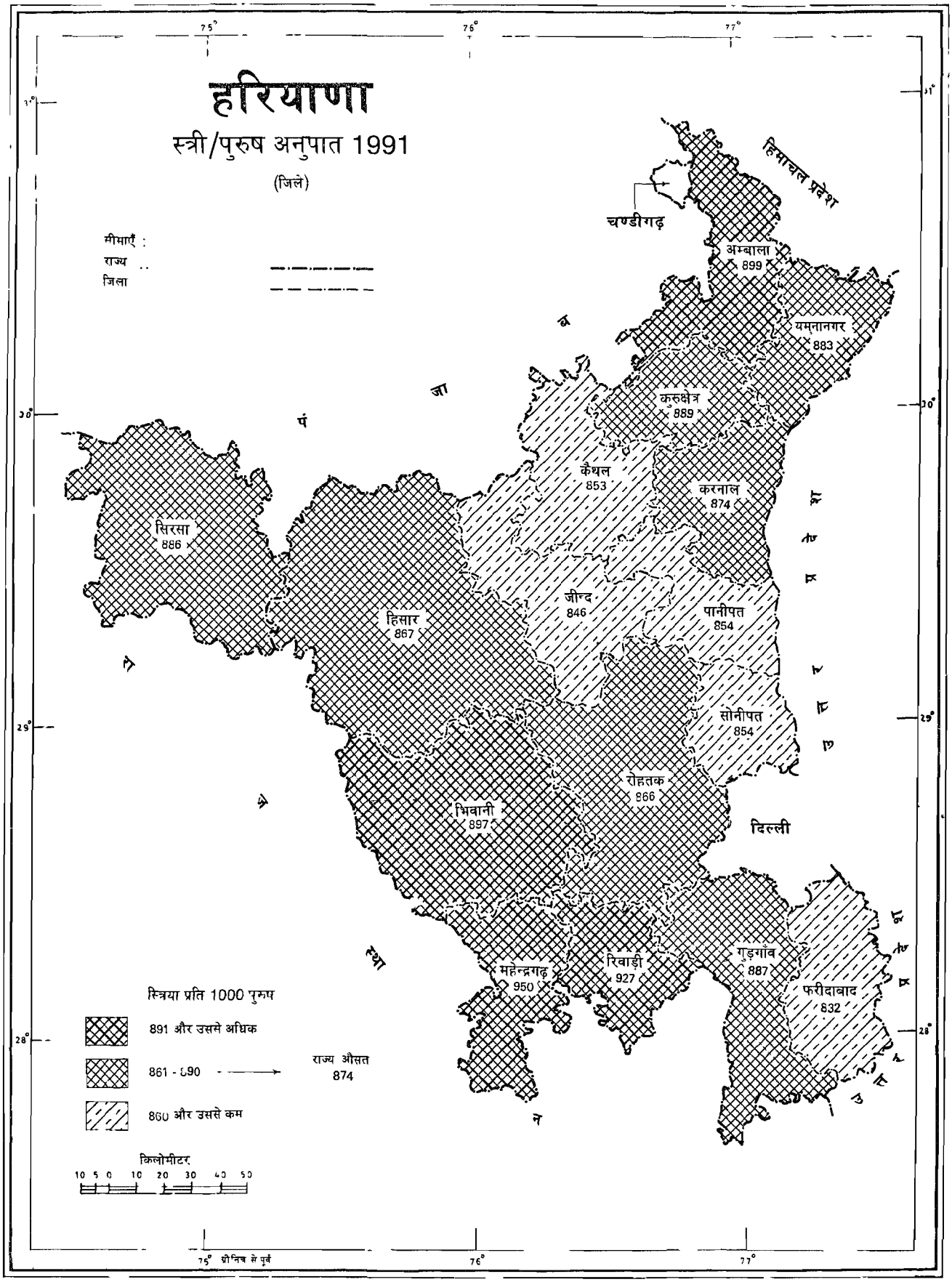

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित ।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्यधिकार, 1991

हरियाणा

जिलों की तुलनात्मक जनसंख्या

1991

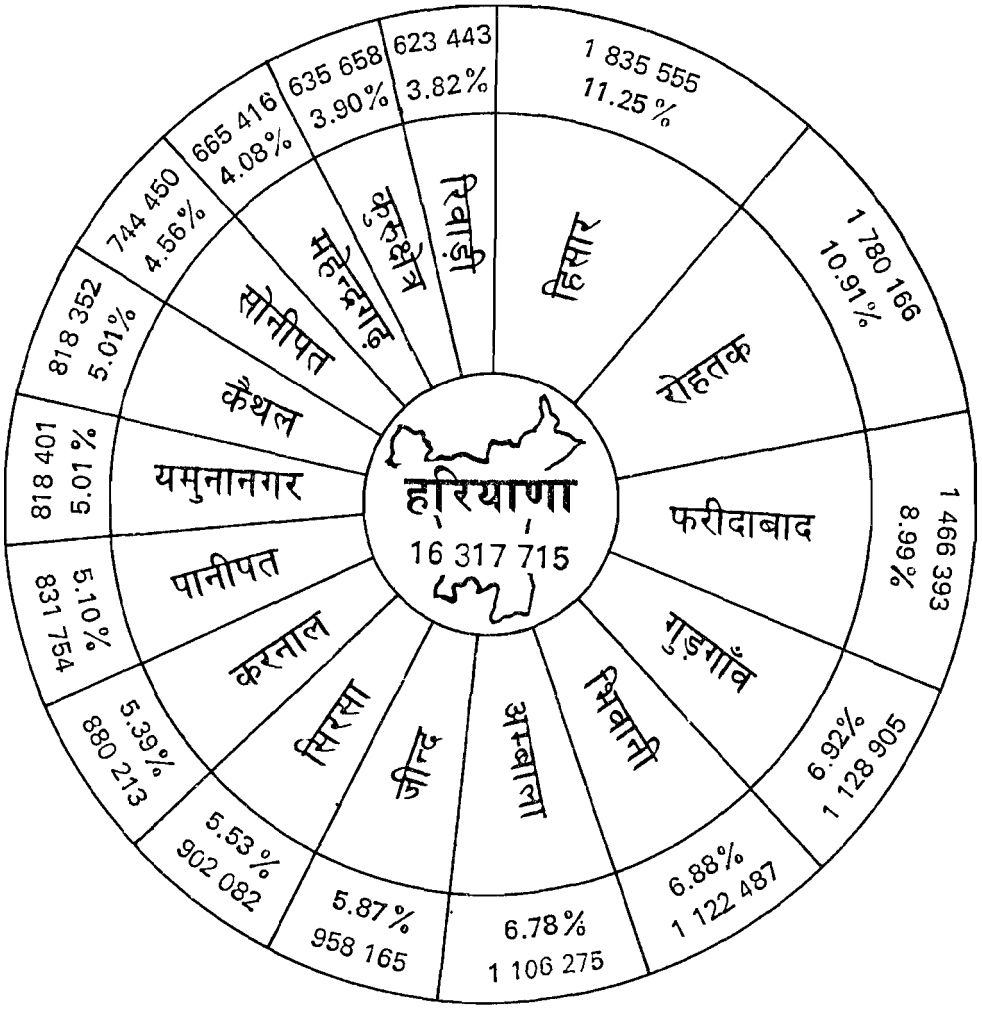

हरियाणा

जिलों का तुलनात्मक क्षेत्रफल

1991

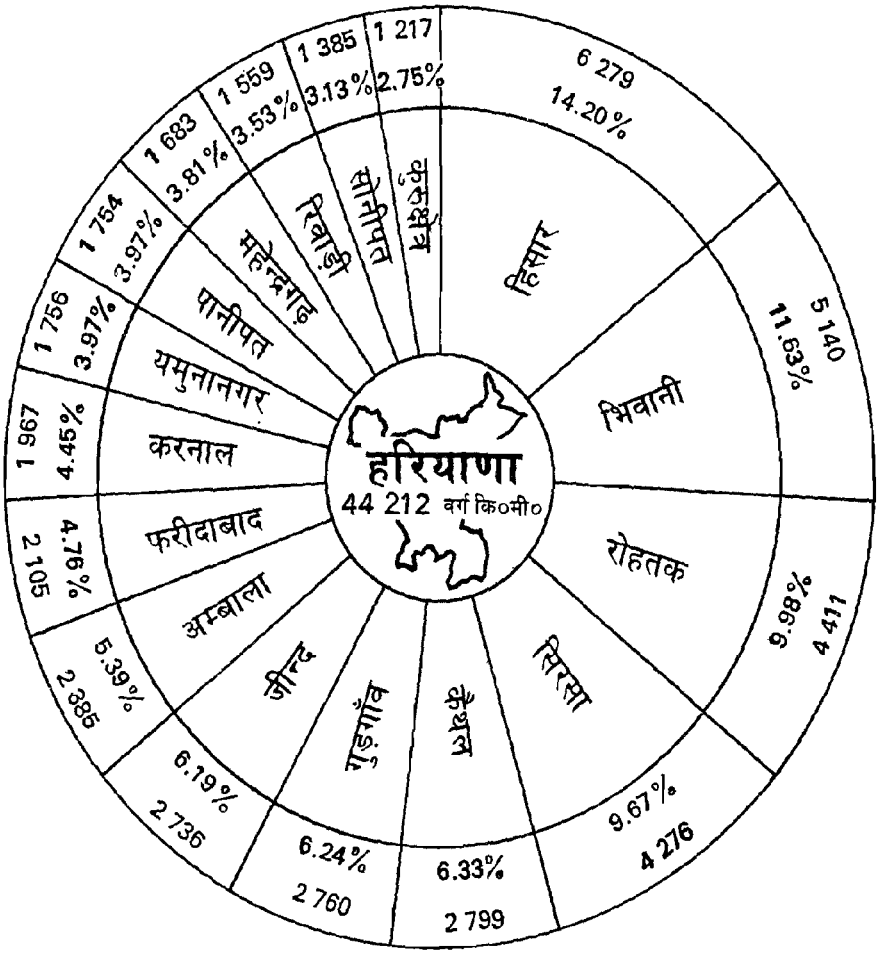

वर्ग कि०मी० में क्षेत्रफल के आंकड़े (अनन्तिम)
भारत के महासर्वेक्षक द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं

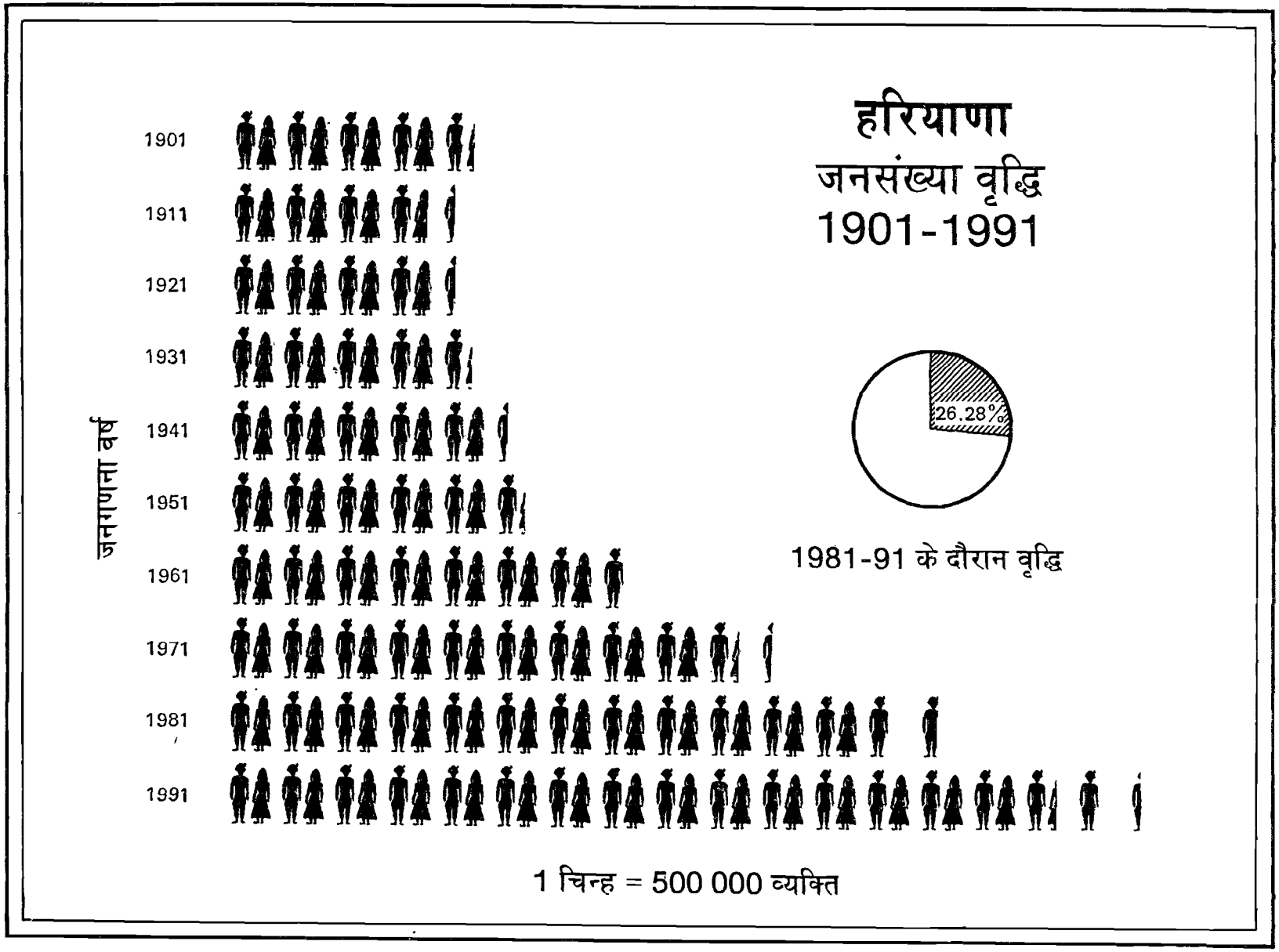
हरियाणा
जनसंख्या वृद्धि
1901-1991
जनगणना वर्ष
1901
1911
1921
1931
1941
1951
1961
1971
1981
1991
26.28%
1981-91 के दौरान वृद्धि
1 चिन्ह = 500 000 व्यक्ति

स्त्री/पुरुष अनुपात 1901-91

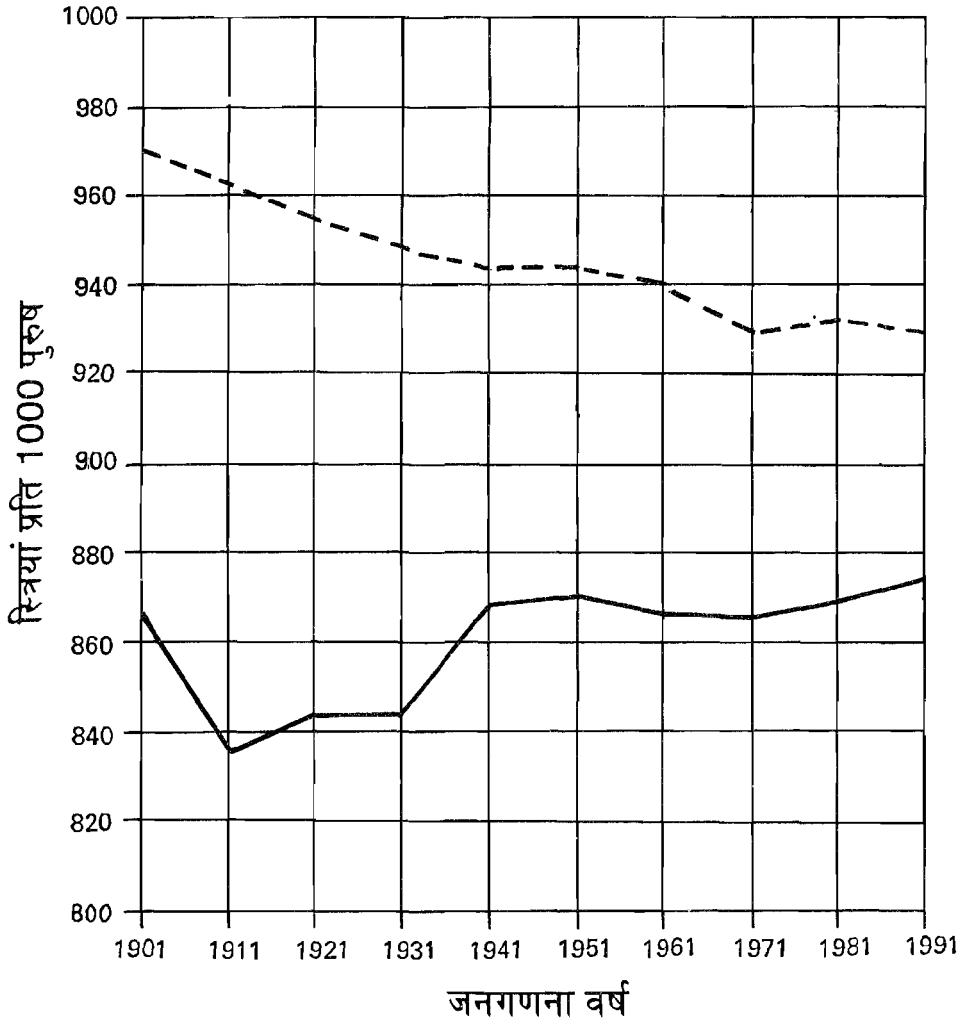

भारत _ _ _ _ _ _ _

हरियाणा _____

जनसंख्या की दशकीय प्रतिशत वृद्धि दर 1901-91

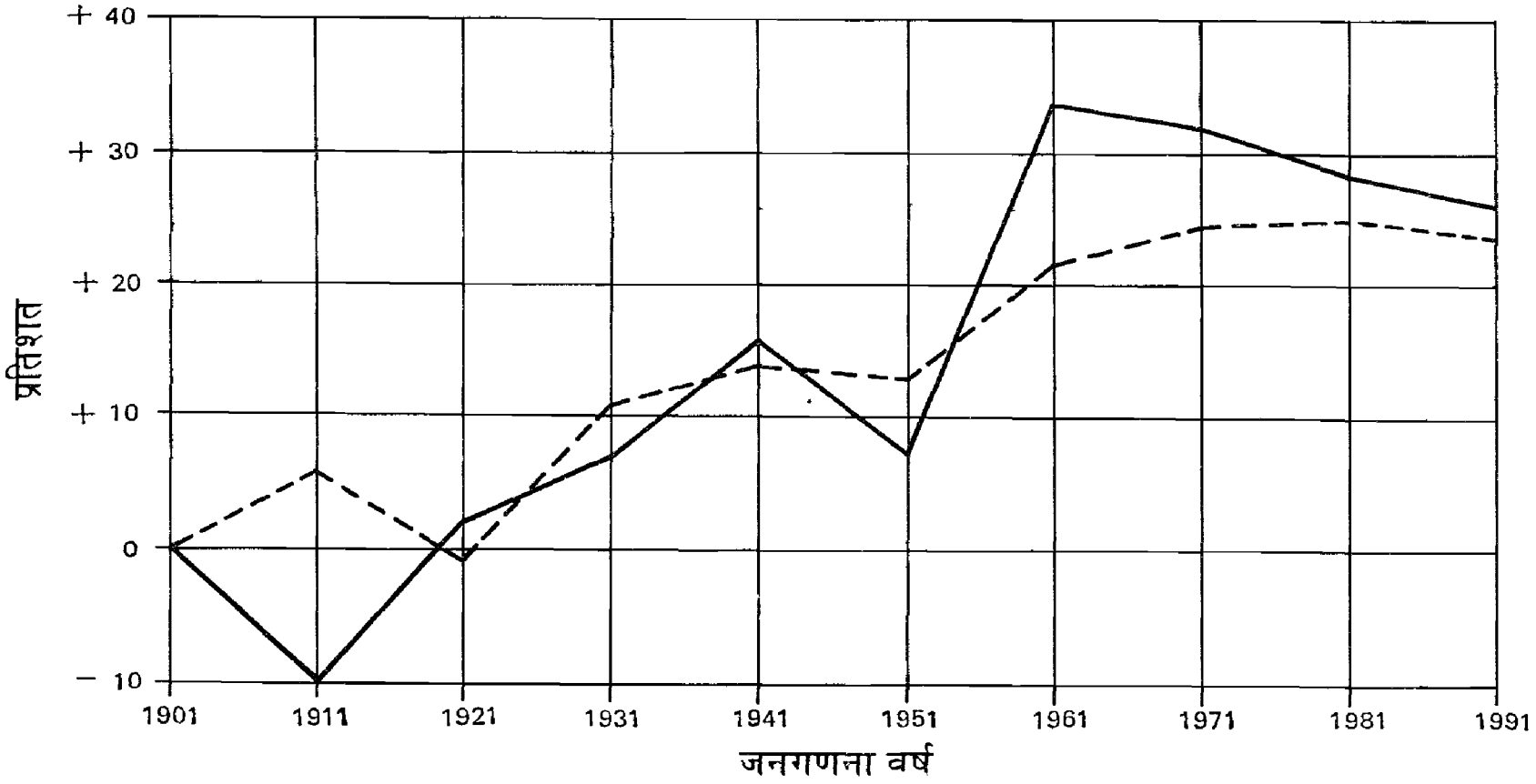

1991 की जनगणना
पृष्ठभूमि-टिप्पणी

पृष्ठभूमि-टिप्पणी

इस पेपर के माध्यम से हरियाणा की कुछ उन जनसांख्यिकीय प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत करने का विचार है जो कि सम्पूर्ण देश में 1 मार्च, 1991 के सूर्योदय को सन्दर्भ काल मानते हुए की गई जनगणना से मुखरित हुई है । समय के अभाव के कारण हम इस पेपर में जनसंख्या की कुछ ही विशेषताओं को शामिल कर पाए है । इस पेपर में दिए गए आंकड़े भी अनन्तिम है क्योंकि इन आंकड़ों को सीधे ही प्रगणकों द्वारा तैयार किए गए सारों से लिया गया है तथा चार्ज स्तर पर इनका संकलन करके प्रत्येक जिले और राज्य के सम्बन्ध में इनका योग किया गया है । अतः इस पेपर में जनसंख्या के अनन्तिम आंकड़े तथा पुरुषों और स्त्रियों, साक्षरों और निरक्षरों की संख्या, घनत्व और 1901 से लेकर अब तक की दशकीय वृद्धि दर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है ।

हरियाणा 1 नवम्बर, 1966 को एक स्वतन्त्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया । राज्य के गठन के पश्चात यह राज्य की तीसरी दशकीय जनगणना है । जनगणना एक नियमित कार्य है जो किसी विशिष्ट तारीख और समय को सन्दर्भ काल मानते हुए देश में सन् 1881 से प्रत्येक 10 वर्ष में की जा रही है । दो विभिन्न जनगणनाओं के दौरान एकत्रित आंकड़ों को तुलनीय बनाने के उद्देश्य से जनगणना करने के लिए तारीख और समय नियत करना आवश्यक है । भारत सरकार की तारीख 4 अक्तूबर, 1989 की अधिसूचना द्वारा जम्मू और कश्मीर राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण देश के लिए 1991 की जनगणना की सन्दर्भ तारीख और समय 1 मार्च, 1991 का सूर्योदय नियत किया गया था ।

जनगणना सम्बन्धी कार्य की तैयारियां एक वर्ष से भी अधिक समय तक की जाती है । यह सम्पूर्ण कार्य दो चरणों में किया जाता है अर्थात् मकान सूचीकरण कार्य तथा वास्तविक गणना कार्य ।

जनगणना का मूल उद्देश्य किसी विशिष्ट तारीख और समय को सन्दर्भ काल मानते हुए देश के सभी व्यक्तियों की गणना करना है । किसी भी व्यक्ति को छोड़े बिना अथवा दो बार गणना किए बिना जनसंख्या का पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों की सूची तैयार करना आवश्यक है । इसके लिए सभी जिलों, तहसीलों, कस्बों और ग्रामों चाहे वे आबाद हों या गैर-आबाद, की सीमाएं सन्दर्भ तारीख से कम से कम एक वर्ष पूर्व निश्चित कर दी जाती है । राज्य सरकार ने अपनी तारीख 16 अक्तूबर, 1989 की अधिसूचना द्वारा 4 नए जिले बनाने का निर्णय लिया तथा सभी प्रशासनिक इकाइयों अर्थात् जिलों और तहसीलों की सूची तैयार की गई । राज्य, जिलों और तहसीलों के मानचित्रों को इनकी नई सीमाओं के अनुसार अद्यतन बनाया गया तथा सम्बन्धित प्राधिकारियों से उन्हें अधिप्रमाणित कराया गया । प्रत्येक ग्राम और म्युनिसिपल वार्ड की सीमाएं दर्शाने के लिए नोशनल मानचित्र तैयार किए गए ताकि मकान सूचीकरण के लिए उन्हें 125—150 के मकानों के ब्लाकों में उप विभाजित किया जा सके ।

राज्य में मकान सूचीकरण का कार्य मई, 1990 में किया गया । मकान सूचीकरण कार्य का उद्देश्य सभी रिहायशी बस्तियों का पता लगाना, उन्हें चिन्हित करना तथा उनकी सूची तैयार करना था ताकि वास्तविक गणना के समय पूर्ण कवरेज को सुनिश्चित किया जा सके । इसका एक और उद्देश्य आवास की समस्याओं तथा उसकी विभिन्न विशेषताओं का पता लगाना था । मकान सूचीकरण के समय प्रगणकों ने अपने 125—150 मकानों के ब्लाक में घर-घर जाकर प्रत्येक मकान को नम्बर दिया और मकान में रहने वाले सदस्यों, मकान के निर्माण में उपयोग में लाई गई प्रमुख सामग्री और मकान किस उपयोग में लाया जाता है इस बारे में जानकारी एकत्र की । यदि मकान पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से निवास के तौर पर इस्तेमाल हो रहा था तो परिवार के पास उपलब्ध रहने के कमरों की संख्या दर्ज की गई तथा यह भी पूछा गया कि परिवार का अपना मकान है अथवा किराए का । यह भी पूछा गया कि परिवार का मुखिया पुरुष है अथवा महिला और क्या वह अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित है । यहां यह उल्लेखनीय है कि हरियाणा में कोई अनुसूचित जनजाति नहीं है । परिवार को उपलब्ध पीने के पानी की आपूर्ति, बिजली तथा शौचालय जैसी सुविधाओं और खाना पकाने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले ईंधन के प्रकार के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की गई ।

वास्तविक गणना के सम्बन्ध में जानकारी देने से पूर्व मैं यहां आर्थिक गणना की संकल्पना का उल्लेख करना भी आवश्यक समझता हूं । आयोजन सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद की अवधि

में कृषि क्षेत्र और व्यापार के संगठित क्षेत्र के बारे में जानकारी एकत्र की गई थी किन्तु 1976-77 तक व्यापार और उद्योग के असंगठित क्षेत्रों के बारे में आंकड़े एकत्र करने का कोई प्रयास नहीं किया गया । 1976-77 में प्रत्येक राज्य के एक चुने हुए जिले में इस प्रयोजन के लिए एक प्रयोगिक अध्ययन किया गया था । तथापि 1981 में मकान सूचीकरण कार्य के दौरान नियमित एक उद्यम सूची भरी गई ताकि फसलों और बागानों की काश्तकारी को छोड़ कर अर्थव्यवस्था के गैर-कृषि क्षेत्रों और कृषि उद्यमों के बारे में जानकारी एकत्रित की जा सके । मकानों को नम्बर देने के पश्चात् प्रगणकों द्वारा यह जानकारी एकत्र की गई कि जनगणना मकान किस उपयोग में आता है तथा इसमें रह रहा परिवार क्या जनगणना मकान के अन्दर या बाहर बिना अहाते के कोई उद्यम चला रहा है ।

आर्थिक गणना का उद्देश्य आर्थिक कार्यकलापों की संरचना और स्वरूप, स्वामित्व के प्रकार, स्वामियों के सामाजिक समूह, कार्यकलाप के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले ईंधन की किस्म, यदि कोई हो तथा फसलों और बागानों की काश्तकारी को छोड़कर विभिन्न उद्यमों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या जिनमें किराए पर लिए गए तथा बिना मजदूरी के काम करने वाले व्यक्ति भी शामिल है, का पता लगाना था ।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन ने हरियाणा में किए गए सारणीकरण के आधार पर उद्यमों की 1990 की आर्थिक गणना के अनन्तिम परिणाम जारी कर दिए हैं । अनन्तिम परिणामों के अनुसार हरियाणा में 4,53,364 उद्यम है जिनमें 13,08,096 कर्मचारी कार्यरत हैं, इनमें मजदूरी पर रखे गए 7,59,109 व्यक्ति शामिल है । उद्यमों की संख्या महेन्द्रगढ़ जिले में 16,359 से लेकर हिसार जिले में 46,657 के बीच है ।

करीब 74·70 प्रतिशत उद्यम कार्यकलाप बिना किसी व्यक्ति को मजदूरी पर रखे हुए चलाए जा रहे है । 11·50 प्रतिशत उद्यमों के पास कोई अहाता नहीं है तथा 77·15 प्रतिशत उद्यमों के पास बिजली नहीं है ।

राज्य में 23,708 (5·23 प्रतिशत) कृषि और 4,29,656 (94·77 प्रतिशत) गैर-कृषि उद्यम है । कृषि उद्यमों में से 68·65 प्रतिशत उद्यम ग्रामीण क्षेत्रों में है । गैर-कृषि उद्यमों में से 55·73 प्रतिशत उद्यम नगरीय क्षेत्रों में है ।

वास्तविक गणना के दौरान जो 9 फरवरी, 1991 से 28 फरवरी, 1991 तक पूरे देश में एक साथ की गई प्रगणक पुनः मकान सूची के उदरण अपने साथ लेकर अपने-अपने ब्लाक के प्रत्येक मकान में गए । इस बार उन्होंने मौके पर ही दो फार्म अर्थात् व्यक्तिगत पर्ची और परिवार अनुसूची भरे । 1981 की जनगणना में दो प्रकार की व्यक्तिगत पर्चियां भरी गई थीं । पहली राज्य के सभी क्षेत्रों में तथा दूसरी राज्य के 20 प्रतिशत सैम्पल ब्लाकों में, किन्तु 1991 की जनगणना में सभी क्षेत्रों में केवल एक ही प्रकार की व्यक्तिगत पर्ची भरी गई । 1981 में सभी क्षेत्रों के लिए प्रयोग की गई व्यक्तिगत पर्ची में स्थान परिवर्तन और प्रजननता सम्बन्धी प्रश्न शामिल नहीं किए गए थे किन्तु इस बार इस जानकारी को सामान्य आधार पर एकत्र करने का निर्णय लिया गया । प्रगणक ने प्रत्येक व्यक्ति के लिये अलग-अलग पर्ची में चाहे उसकी उम्र कोई भी हो, उसका नाम, आयु, वैवाहिक स्थिति, मातृ-भाषा, अन्य दो भाषाएं जिनका ज्ञान हो, धर्म, कहां तक शिक्षा पाई है, जन्म का स्थान, पूर्व निवास का स्थान—ग्रामीण अथवा नगरीय, पूर्व निवास छोड़ने का कारण तथा गणना के ग्राम अथवा कस्बे में निवास की अवधि के बारे में जानकारी सम्मिलित थी । प्रगणक द्वारा यह भी पूछा गया कि क्या वह व्यक्ति अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का है, क्या वह साक्षर अथवा निरक्षर है, क्या वह स्कूल अथवा कालेज जाता है । प्रगणक द्वारा यह प्रश्न भी पूछा गया कि क्या सम्बन्धित व्यक्ति ने पिछले वर्ष किसी भी समय में कोई काम किया है तथा उक्त अवधि में उसका मुख्य कार्यकलाप क्या था । उसके गौण कार्यकलाप यदि कोई हों, के बारे में भी प्रश्न पूछा गया । इस बात की भी जानकारी प्राप्त की गई क्या वह व्यक्ति काम की खोज में है अथवा काम करने का इच्छुक है । कभी भी विवाहित महिला से विवाह के समय उसकी आयु तथा गणना के समय जीवित बच्चों की स्त्री/पुरुष-वार कुल संख्या तथा जीवित पैदा हुए बच्चों की संख्या के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई । इस समय विवाहित महिला से यह पूछा गया कि क्या पिछले एक वर्ष में उनके कोई जीवित बच्चा पैदा हुआ है । 1991 की जनगणना में पहली बार भूतपूर्व सैनिकों के बारे में जानकारी एकत्र की गई । यदि किसी व्यक्ति ने अपने आप को भूतपूर्व सैनिक बताया तो उससे पूछा गया कि क्या वह पेंशन भोगी है । यदि उत्तरदाता स्नातकोत्तर डिग्री अथवा तकनीकी योग्यता धारक था तो उससे स्नातकोत्तर डिग्री धारण और तकनीकी कार्मिक अनुसूची

नामक एक विशेष प्रश्नावली भरवाई गई । 1981 में सभी स्नातकों और तकनीकी योग्यता रखने वाले व्यक्तियों से यह फार्म भरवाया गया था । इस फार्म के जरिए एकत्रित जानकारी को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा संसाधित किया जाएगा ।

प्रगणकों ने 28 फरवरी की रात को बेघर लोगों की जनगणना का कार्य किया । 1 मार्च, 1991 से 5 मार्च, 1991 तक प्रगणक अपने-अपने ब्लाकों में पुनः घर-घर गये ताकि किसी जन्म अथवा मृत्यु की जानकारी दर्ज करके वे पहले प्राप्त की गई जानकारी को 1 मार्च, 1991 के सूर्योदय के संदर्भ काल के अनुसार अद्यतन बना सकें ।

5 मार्च, 1991 को जाँच कार्य पूरा हो जाने पर प्रगणकों से तत्काल रिकार्ड एकत्र करने के लिए व्यापक प्रबन्ध किए गए । चार्ज अधिकारी और जिला जनगणना अधिकारी इस होड़ में लगे रहे कि वे अपने-अपने चार्जों और जिलों की जनसंख्या के आँकड़े यथाशीघ्र भेज सकें ।

पूर्ववर्ती पैराग्राफों से स्पष्ट है कि जनगणना के समय एकत्र किए गए आँकड़ों में देश के लोगों के व्यक्तिगत, सामाजिक और आर्थिक जीवन के कई पहलुओं को शामिल किया गया है तथा इन्हें संसाधित करने, सारणीबद्ध करने और प्रकाशित करने में काफी समय लगेगा । इस पेपर में राज्य की जनसंख्या की राज्य और जिला स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण विशेषताओं का ब्यौरा देते हुए प्रकाश डाला गया है । इसके बाद एक अनुपूरक पेपर जारी किया जाएगा जिसमें काम करने वालों, कार्यकलाप के आधार पर उनके वर्गीकरण और उनकी ग्रामीण-नगरीय विशेषता के बारे में आँकड़े प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा । तत्पश्चात् प्राथमिक जनगणना सार जारी किया जाएगा जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के मामले में ग्राम स्तर पर तथा नगरीय क्षेत्रों के मामले में वार्ड स्तर पर जनसंख्या का विघटन अनुसूचित जाति और अन्यों में, साक्षरों, काम करने वालों का वर्गीकरण — काश्तकारों, खेतिहर मजदूरों, पशुपालन, जंगलात, मछलीपालन, शिकार, बागान, फलोद्यान और अन्य सम्बद्ध कार्यकलापों में लगे व्यक्तियों, खनन और उत्खनन में कार्य करने वाले व्यक्तियों, विनिर्माण, संसाधन, सर्विसिंग और मरम्मत (पारिवारिक उद्योग तथा पारिवारिक उद्योग से भिन्न) में लगे व्यक्तियों, निर्माण कार्य में लगे व्यक्तियों, व्यापार और वाणिज्य के कार्य में लगे व्यक्तियों, परिवहन, भण्डारण और संचार कार्य में लगे व्यक्तियों, अन्य सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों, सीमान्तिक काम करने वालों और काम न करने वालों का वर्गीकरण दिया जाएगा । प्राथमिक जनगणना सार में दिए गए आँकड़े अन्तिम होंगे तथा ये आँकड़े पेपर-1 तथा इसके अनुपूरक में प्रकाशित आँकड़ों से भिन्न हो सकते हैं ।

1991 की जनगणना की सारणियाँ अखिल भारत और प्रत्येक राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्र के सम्बन्ध में अलग-अलग प्रकाशित की जाएँगी । अखिल भारत और राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्र की श्रृंखला को विशिष्ट नम्बर दिया जाएगा । हरियाणा राज्य को 8 नम्बर दिया गया है । अतः श्रृंखला 8 का सम्बन्ध हरियाणा की जनगणना प्रकाशनों से होगा ।

हरियाणा राज्य की जनगणना सारणियाँ तथा रिपोर्टें निम्नलिखित योजना के अनुसार प्रकाशित की जाएँगी :—

भाग सं० और विषय	उप-भाग संख्या, यदि कोई हो, और उसमें शामिल विषय
1	2
भाग I—प्रशासन रिपोर्ट (केवल सरकारी उपयोग के लिए)	भाग I क—प्रशासन रिपोर्ट—गणना भाग I ख—प्रशासन रिपोर्ट—सारणीकरण
भाग II—सामान्य जनसंख्या सारणियाँ	भाग II क—सामान्य जनसंख्या सारणियाँ—क-श्रृंखला भाग II ख—प्राथमिक जनगणना सार
भाग III—सामान्य आर्थिक सारणियाँ	भाग III क—प्रथम चरण की ख-श्रृंखला सारणियाँ जिन्हें 10 प्रतिशत सैम्पल के आधार पर प्रकाशित किया जाएगा । भाग III ख—दूसरे चरण की ख-श्रृंखला सारणियाँ जिन्हें पूर्ण गणना के आधार पर प्रकाशित किया जाएगा । पारिवारिक उद्योग, अन्य काम करने वालों, सीमांतिक काम करने वालों और काम की खोज में/काम करने के इच्छुक, काम न करने वालों के आँकड़े पूर्ण गणना के आधार पर प्रकाशित किए जाएँगे ।

1	2
भाग IV—सामाजिक और सांस्कृतिक सारणियां	भाग IV क—पहले चरण की ग–श्रृंखला सारणियां जिनमें जनसंख्या के आयु, स्त्री/पुरुष और वैवाहिक स्थिति की संरचना, एक्ल वर्षीय आयु विवरणियां, शैक्षिक स्तर, स्कूल जाने वालों और द्विभाषिकता आंकड़े दिए जाएंगे । भाग IV ख—जनसंख्या की मातृभाषा, धर्म और परिवार संरचना संबंधी ग–श्रृंखला सारणियां
भाग V—प्रवास सारणियां	भाग V क—घ–श्रृंखला की प्रथम चरण की सारणियां 10 प्रतिशत सैम्पल पर आधारित जिनमें प्रवासी काम करने वालों के व्यवसायिक वर्गीकरण को छोड़कर, सभी प्रवास सारणियां शामिल हैं । भाग V ख—पूर्ण गणना पर आधारित काम करने वाले प्रवासियों के व्यवसायिक वर्गीकरण सम्बन्धी घ-श्रृंखला सारणियां ।
भाग VI—प्रजननता सारणियां	प्रथम चरण की च-श्रृंखला की सारणियां जो 10 प्रतिशत सैम्पल के आधार पर प्रकाशित की जाएंगी ।
भाग VII—मकान और परिवार सुविधा सारणियां	ज-श्रृंखला सारणियां जिनमें जनगणना मकानों और वे किस उपयोग में आते हैं, परिवारों के जनगणना मकान की दीवारों, छत और फर्श में लगी निर्माण सामग्री, आबाद मकानों की धारणाधिकार की स्थिति और रहने के कमरों की संख्या, परिवार साइज, परिवारों को उपलब्ध पीने के पानी, बिजली और शौचालय जैसी सुविधाओं और परिवारों द्वारा खाने पकाने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले ईंधन के बारे में जानकारी दी जाएगी । इस भाग में अनुसूचित जातियों की सारणियां भी सम्मिलित होंगी ।
भाग VIII—अनुसूचित जातियों की विशेष सारणियां	इस भाग में पूर्ण गणना के आधार पर अनुसूचित जातियों की सारणियां सम्मिलित होंगी ।
भाग IX—नगर निदेशिका, नगरों और ग्रामों की सर्वेक्षण रिपोर्ट	भाग IX क—नगर निदेशिका, भाग IX ख—चुने हुए नगरों की सर्वेक्षण रिपोर्ट, भाग IX ग—चुने हुए ग्रामों की सर्वेक्षण रिपोर्ट।
भाग X	अनुसूचित जातियों के बारे में मानव जातीय टिप्पणियां और विशेष अध्ययन ।
भाग XI—जनगणना मानचित्रावली	हरियाणा की जनगणना मानचित्रावली
भाग XII—जिला पुस्तिका	भाग XII क—ग्राम और नगर निदेशिका भाग XII ख—ग्राम और नगर वार प्राथमिक जनगणना डाटा

हम योजना निर्माताओं, प्रशासकों, अनुसंधानविदों और जनसाधारण को यथाशीघ्र जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प हैं । डाटा इन्पुट में तेजी लाने तथा आंकड़ों के भण्डारण और पुनः आंकड़े प्राप्त करने को सुविधाजनक बनाने के लिए डायरेक्ट डाटा एन्ट्री पद्धति का अधिक से अधिक उपयोग किया जाएगा । यदि हम अपने द्वारा एकत्रित सामग्री को परम्परागत पद्धति से हाथ से छंटाई करने और सारणीकरण के काम में लग जाएं तो हमारे लिए अपनी वचनबद्धता को पूरा कर पाना सम्भव नहीं होगा ।

हिसार डिवीजन के प्रधान जनगणना अधिकारियों, जिला जनगणना अधिकारियों और उप [illegible]

डिवीजन के आयुक्त श्री भगवती प्रसाद साथ में निदेशक जनगणना कार्य भी हैं

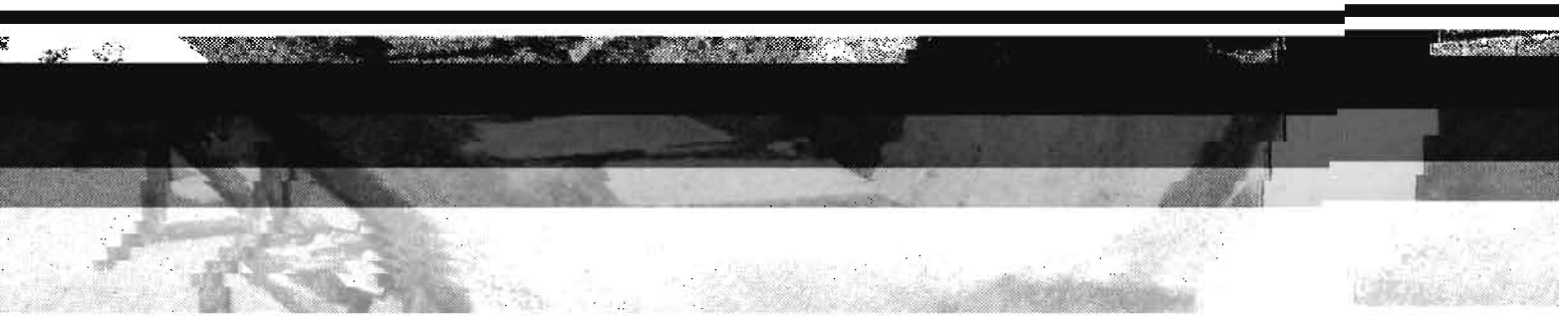

[illegible] के जनगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण सेमिनार का एक दृश्य [illegible] हिसार डिवीजन [illegible]

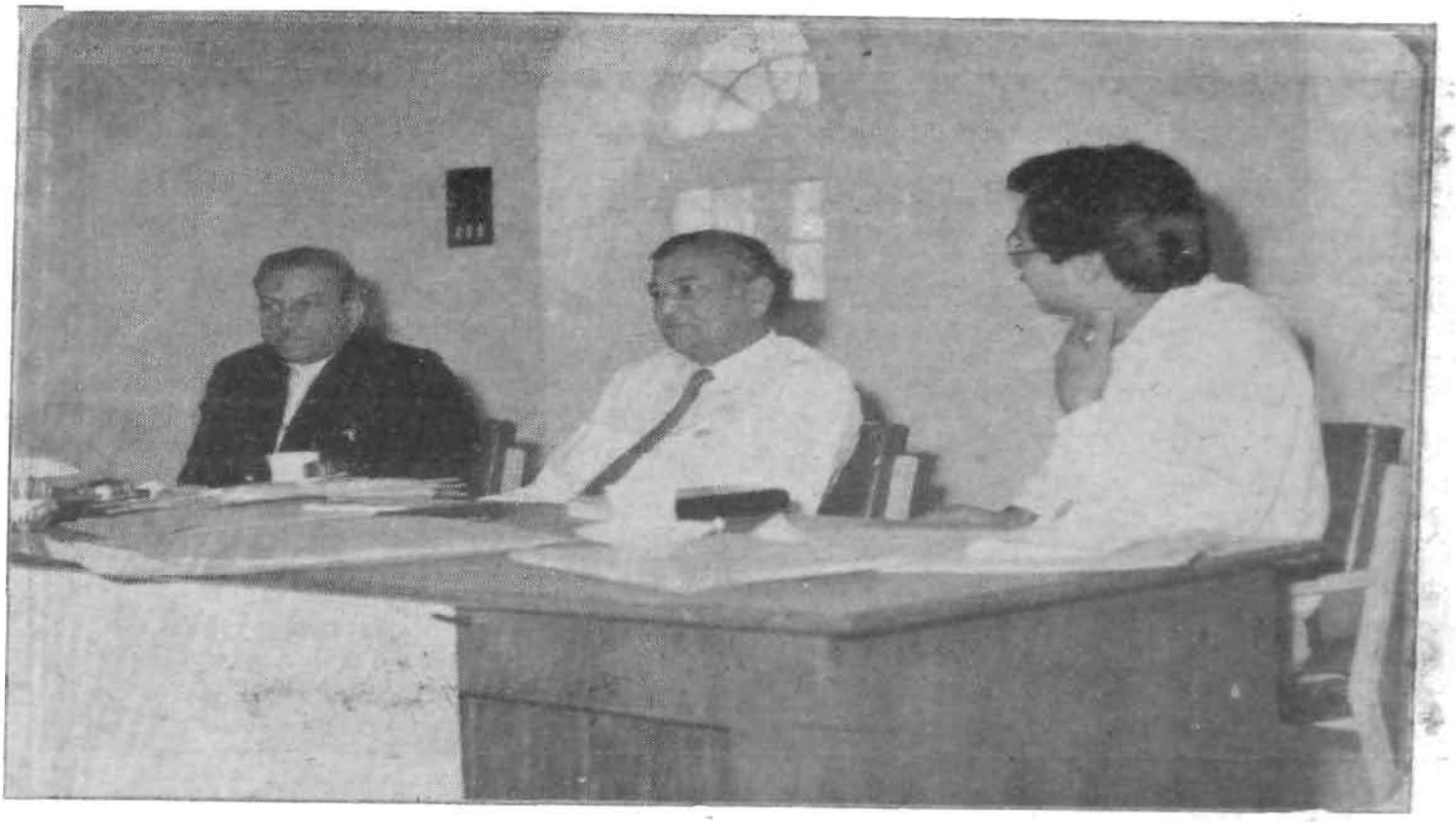

गुड़गांव ज़िले के जनगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण सेमिनार में निदेशक, जनगणना कार्य के साथ गुड़गांव के उपायुक्त श्री एन. सी. वशिष्ठ

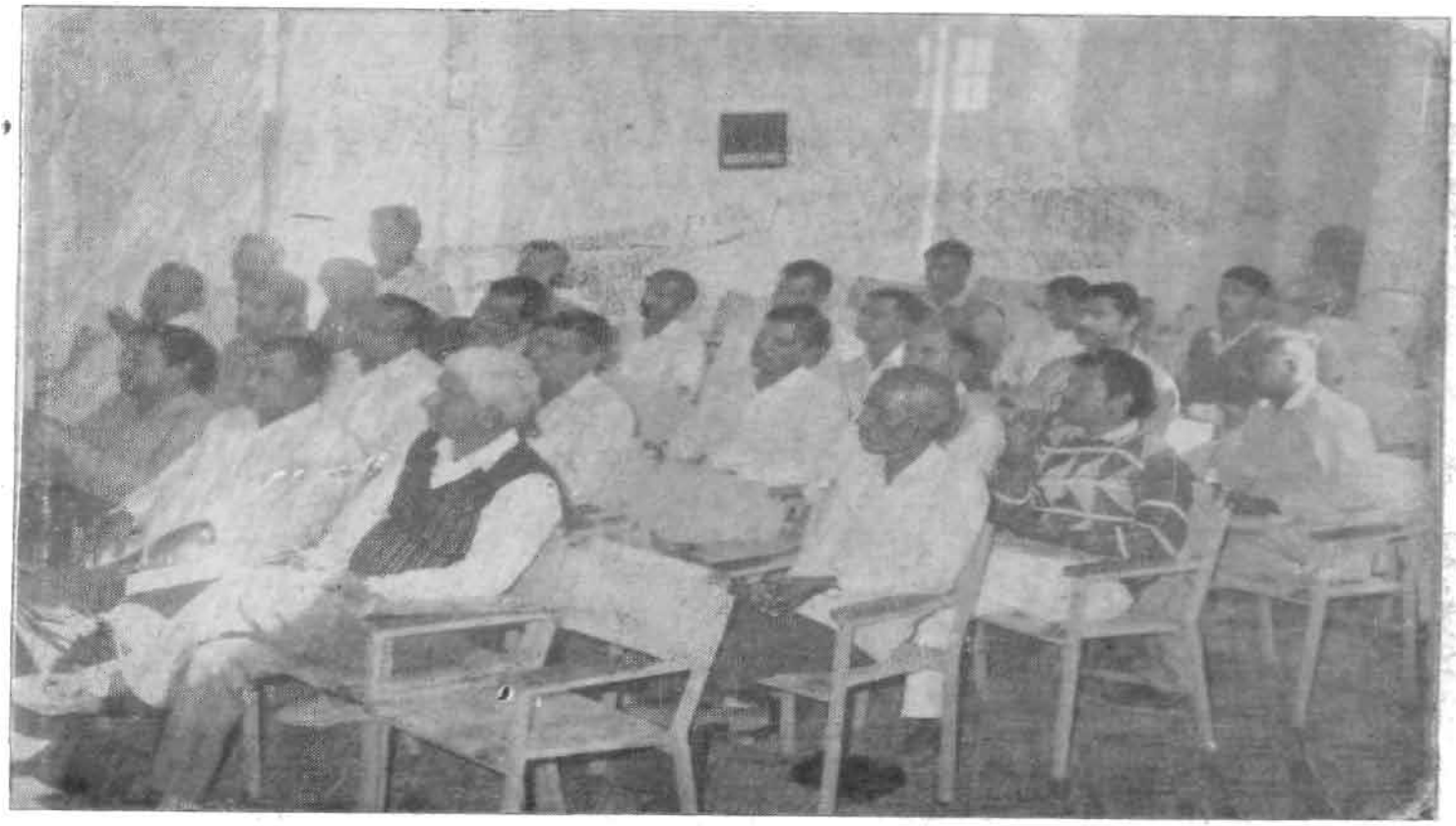

गुड़गांव ज़िले के जनगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण सेमिनार का एक दृश्य

अम्बाला जिले के पंचकूला नगर में गणना करते हुए प्रगणक और सुपरवाईजर

रोहतक जिले के खडक कलां गांव में गणना करते हुए एक प्रगणक

सोनीपत जिले के नाहरी गांव में उप डिवीजनल जनगणना अधिकारी, अपर जिला जनगणना अधिकारी, चार्ज अधिकारी और गांव के सम्मानित व्यक्तियों के साथ
भारत के महारजिस्ट्रार श्री अमूल्य रत्न नन्द

सोनीपत जिले के नाहरी गांव में एक प्रगणक के कार्य का निरीक्षण करते हुए
भारत के महारजिस्ट्रार श्री अमूल्य रत्न नन्द

सोनीपत जिले के नाहरी गांव के प्रगणकों द्वारा किए गए कार्य का निरीक्षण करते हुए
भारत के महारजिस्ट्रार श्री अमूल्य रत्न नन्द

सोनीपत जिले के नाहरी गांव में प्रगणक द्वारा व्यक्तिगत पर्ची भरने के कार्य को देखते हुए
भारत के महारजिस्ट्रार श्री अमूल्य रत्न नन्द

पांची जाटां गांव में प्रगणक के कार्य की जाँच करते हुए सोनीपत जिले की जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती एस. के. सर्वन

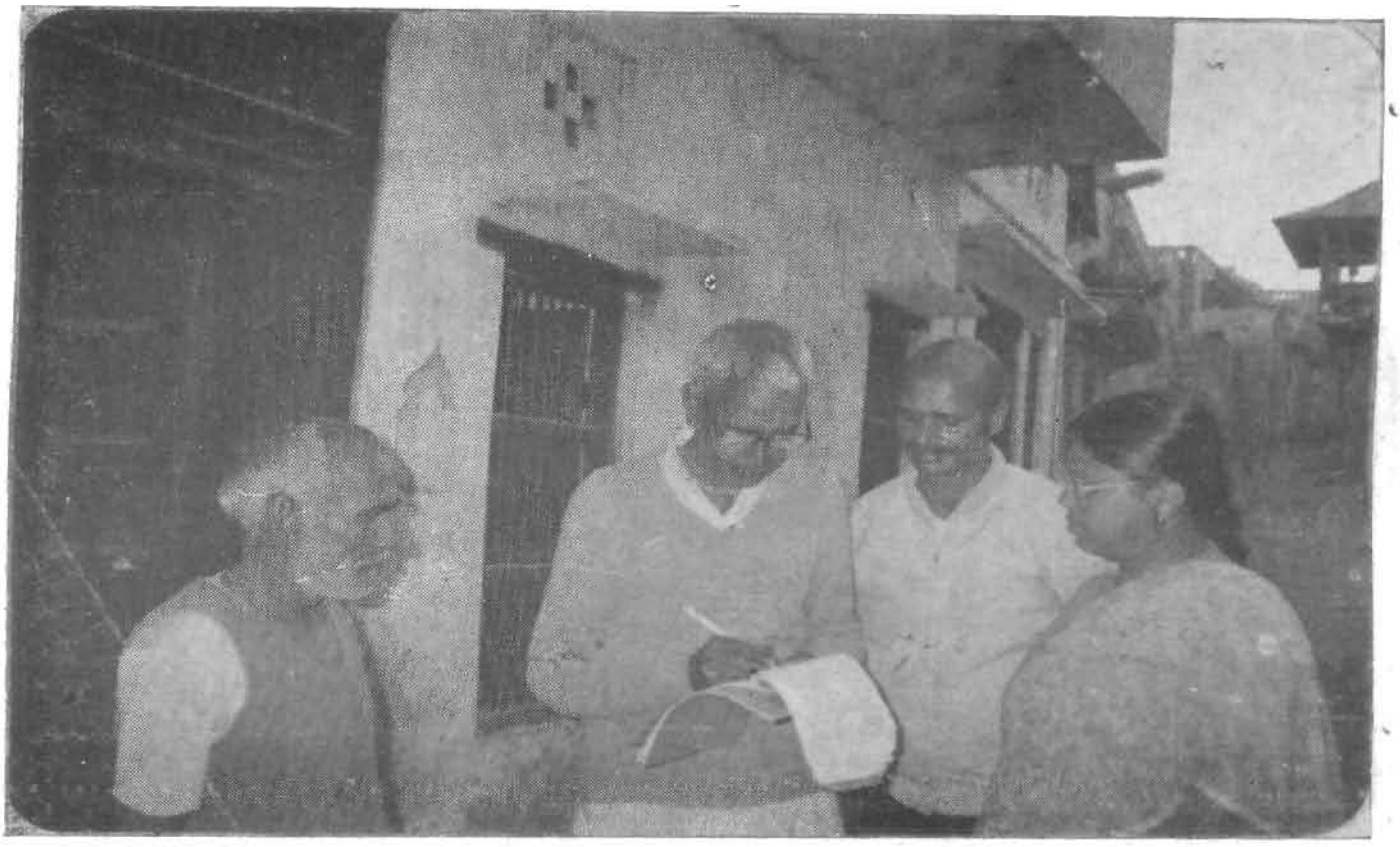

पांची जाटां गांव में घर-घर जाकर गणना कार्य का निरीक्षण करते हुए सोनीपत जिले की जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती एस. के. सर्वन

पानीपत नगर में प्रगणक के कार्य की जाँच करते हुए पानीपत जिले के जिला जनगणना अधिकारी श्री बी. के. शर्मा

करनाल जिले के घरौंडा नगर में गणना करते हुए एक महिला प्रगणक, साथ में चार्ज अधिकारी इस कार्य को देखते हुए

अम्बाला जिले की पंचकूला तहसील के चार्ज अधिकारी श्री आर. के. गर्ग के पर्यवेक्षण में 28 फरवरी, 1991 की रात को बेघर लोगों की गणना करते हुए एक महिला प्रगणक

अम्बाला जिले के पंचकूला नगर में बेघर लोगों की गणना का एक दृश्य

विश्लेषणात्मक टिप्पणी

विश्लेषणात्मक टिप्पणी

यह 1 मार्च, 1991 की स्थिति है । भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त द्वारा हमारे देश की कुल जनसंख्या अनन्तिम रूप से 843,930,861 निर्धारित की गई है जिसमें 437,597,929 पुरुष और 406,332,932 स्त्रियां हैं ।

उक्त सन्दर्भ तारीख को हरियाणा की अनन्तिम जनसंख्या 16,317,715 है जिसमें 8,705,379 पुरुष और 7,612,336 स्त्रियां हैं । भारत सरकार की जनसंख्या प्रक्षेपणों सम्बन्धी स्थायी समिति ने 1989 में यह भविष्यवाणी की थी कि 1 मार्च, 1991 को हरियाणा की जनसंख्या 16,747,000 के करीब होगी । यह सन्तोष का विषय है कि हमारे राज्य की जनसंख्या इस समिति द्वारा अनुमानित आंकड़ों से कम है ।

पृष्ठ 5 पर दिए गए विवरण I में देश के सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों की तुलनात्मक जनसंख्या दी गई है । इस विवरण में प्रत्येक राज्य और संघ राज्यक्षेत्र में स्त्री/पुरुष अनुपात जनसंख्या, घनत्व और वृद्धि दर भी दी गई है । पृष्ठ 6 पर दिए गए विवरण II में 1981 और 1991 में प्रत्येक राज्य और संघ राज्यक्षेत्र में 7 वर्ष और उससे अधिक की आयु की अनुमानित जनसंख्या में साक्षरों की संख्या और साक्षरों का प्रतिशत दर्शित किया गया है । भारत की कुल जनसंख्या की तुलना में हरियाणा की जनसंख्या लगभग 2 प्रतिशत है । 25 राज्यों और 7 संघ राज्यक्षेत्रों में जनसंख्या के आकार के अनुसार 1981 की जनगणना में हरियाणा का 15वां स्थान था जो उसने अब भी बनाए रखा है ।

1991 की जनगणना में भी हिसार जिले ने 1,835,555 की सबसे अधिक जनसंख्या दर्ज करके राज्य में अपना पहला स्थान बनाए रखा है । नव निर्मित रिवाड़ी जिला सबसे कम जनसंख्या वाला जिला है, जिसकी जनसंख्या 623,443 है । जिलों को उनकी जनसंख्या के आकार के अनुसार घटते क्रम में नीचे दर्शित किया गया है । राज्य की कुल जनसंख्या में उनकी जनसंख्या का प्रतिशत भी उनके सामने दिया गया है । यही स्थिति पृष्ठ 17 पर दिए गए रेखाचित्र में भी दर्शित की गई है ।

जिला	जनसंख्या	हरियाणा की कुल जनसंख्या में प्रतिशत हिस्सा
हिसार	1,835,555	11·25
रोहतक	1,780,166	10·91
फरीदाबाद	1,466,393	8·99
गुड़गांव	1,128,905	6·92
भिवानी	1,122,487	6·88
अम्बाला	1,106,275	6·78
जीन्द	958,165	5·87
सिरसा	902,082	5·53
करनाल	880,213	5·39
पानीपत	831,754	5·10
यमुनानगर	818,401	5·01
कैथल	818,352	5·01
सोनीपत	744,450	4·56
महेन्द्रगढ़	665,416	4·08
कुरुक्षेत्र	635,658	3·90
रिवाड़ी	623,443	3·82

यह देखा गया है कि राज्य में हिसार और रोहतक केवल दो ही ऐसे जिले हैं जिनमें से प्रत्येक की जनसंख्या 15 लाख से अधिक है । फरीदाबाद, गुड़गांव, भिवानी और अम्बाला की जनसंख्या 10 लाख और 15 लाख के बीच है । शेष 10 जिलों की जनसंख्या 10 लाख से कम है ।

जनसंख्या की वृद्धि

यह सन्तोष की बात है कि हरियाणा की दशकीय वृद्धि दर 1981 में 28·75 प्रतिशत से घटकर 1991 में 26·28 प्रतिशत रह गई है । पिछले दशक के दौरान हरियाणा की वृद्धि दर पूरे देश की वृद्धि दर के काफी तुलनीय रही है । देश की वृद्धि दर 23·50 प्रतिशत आँकी गई है । पृष्ठ 21 पर दिये गये ग्राफ में 1901 से लेकर अब तक की जनसंख्या की वृद्धि का तुलनात्मक चित्र दर्शित किया गया है । जनसंख्या की वृद्धि दर में गिरावट आने के सम्भावित कारणों पर अभी कोई टिप्पणी करना बहुत जल्दबाजी होगी । इस विषय में कोई भी टिप्पणी करने से पहले गम्भीरता से विचार करने की आवश्यकता है और सभी तथ्यों को ध्यानपूर्वक देखना होगा । दस जिलों की वृद्धि दर पूरे राज्य की वृद्धि-दर के बराबर या उससे कम रही है जबकि छः जिलों की वृद्धि दर राज्य की वृद्धि दर से अधिक रही है जो पृष्ठ 13 पर दिए गए "जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर, 1981-91" नामक मानचित्र से स्पष्ट है ।

1981—91 की अवधि के दौरान फरीदाबाद जिले की जनसंख्या में 48·71 प्रतिशत की सबसे अधिक दशकीय वृद्धि दर्ज की गई है । ऐसा उद्योग प्रधान क्षेत्र होने और श्रमिकों के आगमन के कारण हो सकता है । दूसरी ओर, पिछले दशक के दौरान रोहतक जिले में 17·41 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि दर दर्ज की गई है ।

अब जो क्षेत्र हरियाणा राज्य में आ गए हैं, उनकी जनसंख्या का दशकीय अन्तर 1901 से लेकर अब तक के लिए सारणी 2 में दिया गया है । 1901 में हरियाणा की जनसंख्या 46 लाख थी, जो 1991 में बढ़कर 163 लाख हो गई है । इस प्रकार जनसंख्या में लगभग 3·5 गुणा वृद्धि हुई है । पृष्ठ 25 पर दिए गए रेखाचित्र में सन 1901 से लेकर अब तक की जनसंख्या की वृद्धि दर्शित की गई है । इस शताब्दी के प्रथम दशक में इसकी जनसंख्या में 9·7 प्रतिशत की कमी होने के बावजूद भी अब हरियाणा राज्य के नाम से जाने जाने वाले इस क्षेत्र की जनसंख्या में बाद के दशकों में धीरे-धीरे वृद्धि होती जा रही है । हरियाणा की जनसंख्या में 1911—21 में +1·95, 1921—31 में +7·14, 1931—41 में +15·63, 1941—51 में +7·60, 1951—61 में +33·79, 1961—71 में +32·23, 1971—81 में +28·75 और 1981—91 में +26·28 प्रतिशत की दशकीय वृद्धि हुई ।

क्षेत्रफल

भारत के महासर्वेक्षक द्वारा उपलब्ध कराए गए अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार राज्य का क्षेत्रफल 44,212 वर्ग किलोमीटर है । 1981 की तुलना में राज्य के क्षेत्रफल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । पृष्ठ 19 पर दिए गए पाई रेखाचित्र में जिलों का तुलनात्मक क्षेत्रफल दर्शित किया गया है । पिछली जनगणना के समय हरियाणा में 12 जिले थे लेकिन अब 16 जिले हैं । चार नए बनाए गए जिले पानीपत, रिवाड़ी, यमुनानगर और कैथल हैं । 1991 की जनगणना के अनुसार हरियाणा राज्य के प्रशासनिक खण्ड अंदरूनी मुखपृष्ठ के सामने दिए गए मानचित्र में दर्शित किए गए हैं । इन चार जिलों के बनने से, सिरसा जिले को छोड़कर, पहले के शेष सभी जिलों की प्रशासनिक सीमाओं में परिवर्तन हुआ है । तहसीलों की संख्या भी 1981 में 39 से बढ़कर 1991 में 53 हो गई है । सभी जिलों की तुलना में सबसे बड़ा जिला हिसार ही है जिसका क्षेत्रफल 6,279 वर्ग किलोमीटर है जबकि 1,217 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल वाला कुरुक्षेत्र जिला अभी भी सबसे छोटा जिला है ।

घनत्व

किसी विकासशील राज्य में समय के साथ-साथ उसकी जनसंख्या के घनत्व में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है । हरियाणा में 1981 में जनसंख्या का घनत्व 292 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था जो 1991 में बढ़ कर 369 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया है । जनसंख्या के घनत्व की दृष्टि से 1981 में फरीदाबाद जिले का राज्य में प्रथम स्थान था जो उसने अब भी बनाए रखा है । इसकी जनसंख्या का घनत्व 697 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि सिरसा जिले का घनत्व सबसे कम अर्थात् 211 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है ।

फरीदाबाद, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, पानीपत, अम्बाला और यमुनानगर जिलों में जनसंख्या का घनत्व 450 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से भी अधिक है जबकि छः जिलों अर्थात् करनाल, गुड़गाँव, रोहतक, रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़ और जींद में यह घनत्व 301 से 450 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के बीच है । हिसार, कैथल, भिवानी और सिरसा जिलों का यह घनत्व 301 से भी कम है । पृष्ठ ।। पर दिए गए मानचित्र में हरियाणा में जनसंख्या के घनत्व की क्षेत्रीय भिन्नता दर्शित की गई है ।

स्त्री/पुरुष अनुपात

1991 की जनगणना के अनुसार भारत में 1,000 पुरुषों की तुलना में 929 स्त्रियाँ हैं जबकि हरियाणा में 1,000 पुरुषों की तुलना में 874 स्त्रियाँ हैं । 1981 में हरियाणा में स्त्री/पुरुष अनुपात 870 था जबकि पूरे देश के लिए यह अनुपात 934 था । पृष्ठ 23 पर दिए गए ग्राफ में 1901 से लेकर अब तक भारत और हरियाणा दोनों के तुलनात्मक स्त्री/पुरुष अनुपात दर्शित किए गए हैं । सारणी । के अनुसार महेन्द्रगढ़ जिले में स्त्री/पुरुष अनुपात सब से अधिक अर्थात् 950 है जबकि फरीदाबाद जिले में यह अनुपात सबसे कम अर्थात् 832 दर्ज किया गया है । दोनों जिलों ने 1981 को क्रमशः सबसे अधिक और सबसे कम स्त्री/पुरुष अनुपात की स्थिति बनाए रखी है । महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, अम्बाला, भिवानी, कुरुक्षेत्र, गुड़गाँव, सिरसा और यमुनानगर जिलों में स्त्री/पुरुष अनुपात राज्य के 874 के औसत से अधिक है जबकि करनाल जिले में यह राज्य औसत के बराबर है । पृष्ठ 15 पर दिए गए मानचित्र में हरियाणा में स्त्री/पुरुष अनुपात की क्षेत्रीय असमानता दर्शित की गई है ।

साक्षरता

जनगणना के प्रयोजन के लिए साक्षर उस व्यक्ति को माना जाता है जो किसी भाषा को समझ कर पढ़ और लिख सकता है । 1991 की जनगणना में 7 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को निरक्षर माना गया है । 1971 और 1981 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निरक्षर माना गया था । सम्भवतः इस सम्बन्ध में भारतीय जनगणना आँकड़ों को अन्तर्राष्ट्रीय आँकड़ों के तुलनीय बनाने के लिए ऐसा किया गया है । विवरण 4 में विभिन्न जिलों में साक्षरों के तुलनात्मक आँकड़े प्रस्तुत किए गए हैं । राज्य की कुल जनसंख्या 16,317,715 में से 7,431,708 व्यक्ति साक्षर हैं, जिनमें से 4,872,757 पुरुष और 2,558,951 स्त्रियाँ हैं । राज्य की साक्षरता दर 55·33 प्रतिशत बैठती है जबकि पूरे देश की साक्षरता दर 52·11 प्रतिशत निकाली गई है । 1991 की जनगणना में साक्षरों का प्रतिशत 7 वर्ष और उससे अधिक आयु की अनुमानित जनसंख्या को लेकर निकाला गया है । 1971 में हरियाणा में 5 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या की साक्षरता दर 31·91 प्रतिशत थी जबकि 1981 में यह 41·65 प्रतिशत थी । तुलना के प्रयोजन से, 1981 में हरियाणा की 7 वर्ष और उससे अधिक आयु वाली जनसंख्या की साक्षरता दर 43·85 प्रतिशत बैठती है । हरियाणा के कुल साक्षरों में से 12·86 प्रतिशत रोहतक जिले में हैं जबकि कैथल में हरियाणा के कुल साक्षरों की तुलना में केवल 3·81 प्रतिशत ही है । केवल रोहतक, हिसार, फरीदाबाद और अम्बाला ही ऐसे चार जिले हैं जिनमें से प्रत्येक में 5 लाख से अधिक साक्षर हैं । राज्य में पुरुषों की साक्षरता दर स्त्रियों की साक्षरता दर की तुलना में काफी अधिक है जो सम्पूर्ण देश के मामले में भी सही है ।

नगरीय क्षेत्र

हरियाणा में 84 नगरपालिका या सांविधिक कस्बे हैं । 1981 में ऐसे कस्बों की संख्या 77 थी । गोनेया नगर समिति को सरकार द्वारा ग्रामीण के रूप में अवर्गीकृत कर दिया गया था और इसलिए 1991 की जनगणना में इसका नाम नगरपालिका कस्बों की सूची से निकाल दिया गया है । 11 कस्बे "शहर" कहलाने के पात्र हो गए हैं क्योंकि 1991 की जनगणना में उनकी जनसंख्या 1 लाख या उससे अधिक रही है । ये शहर फरीदाबाद कम्पलेक्स, रोहतक, पानीपत, हिसार, करनाल, यमुनानगर, सोनीपत, भिवानी, गुड़गाँव, अम्बाला और सिरसा हैं । 1981 की जनगणना में ऐसे शहरों की संख्या केवल नौ थी । सिरसा और गुड़गाँव राज्य के शहरों की सूची में अभी सम्मिलित हुए हैं ।

ग्यारह शहरों के अलावा अम्बाला (न·स·) नामक एक, नगरीय समूह भी है, जिसकी जनसंख्या एक लाख या उससे

अधिक है । यमुनानगर, हिसार, करनाल और गुड़गांव शहरों के साथ भी नगरीय समूह बनाए गए है । पुंडरी और बहादुरगढ़ क्षेत्र भी नगरीय समूह बनाए है परन्तु इनकी जनसंख्या एक लाख से कम है । नगरीय समूह, एक या उससे अधिक सांविधिक कस्बे (कस्बों) और/या ऐसे अन्य संलग्न बाह्य विकास (विकासों) का निरन्तर नगरीय फैलाव है, जो स्वतः कस्बे के रूप में माने जाने के पात्र नहीं है, परन्तु वे नगरीय होने की क्षमता रखते हैं और इसलिए उन्हें एकीकृत नगरीय क्षेत्र के रूप में जानना उचित होगा । इन नगरीय समूहों को उनकी जनसंख्या के साइज के घटते क्रम में नीचे दिया गया है और उनकी संघटक इकाइयां भी उनके सामने दी गई है ।

नगरीय समूह	संघटक कस्बे और/या नगरीय बाह्य विकास
1· यमुनानगर न·स·	1· जगाधरी (न·पा·)
	2· जगाधरी वर्कशाप रेलवे कालोनी (न·पा·)
	3· यमुनानगर (न·पा·)
2· हिसार न·स·	1· हिसार (न·पा·)
	2· हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर और मिनी सचिवालय (बा·वि·)
3· करनाल न·स·	1· करनाल (न·पा·)
	2· सैक्टर 6, नगरीय एस्टेट का भाग (बा·वि·)
4· अम्बाला न·स·	1· अम्बाला छावनी (छा·बो·)
	2· अम्बाला सदर (न·पा·)
5· गुड़गांव न·स·	1· गुड़गांव (न·पा·)
	2· गुड़गाव ग्रामीण (ज·क·)
6· बहादुरगढ़	1· बहादुरगढ़ (न·पा·)
	2· सेक्टर 6, हुडा (बा·वि·)
7· पुंडरी	1· पुंडरी (न·पा·)
	2· फतेहपुर गांव का भाग (बा·वि·)

पृष्ठ 45 पर दी गई सारणी 3 में एक लाख या उससे अधिक की जनसंख्या वाले शहरों/नगरीय समूहों की जनसंख्या, स्त्री/पुरुष अनुपात और उनमें साक्षरों की संख्या दर्शित की गई है । शहरों/नगरीय समूहों में से अम्बाला न·स· में स्त्री/पुरुष अनुपात सबसे अधिक अर्थात् 975 है जबकि फरीदाबाद कम्पलैक्स में सबसे कम अर्थात् 804 है । दूसरी ओर फरीदाबाद कम्पलैक्स में साक्षरों की संख्या सबसे अधिक और सिरसा में सबसे कम है ।

जनगणना में नगरीय फ्रेम का एक अन्य पहलू भी होता है । यदि किसी स्थान की जनसंख्या 5,000 हो, जनसंख्या का घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो और काम करने वाले पुरुषों में से 75 प्रतिशत पुरुष गैर-कृषि कार्यों में कार्यरत हों तो उस स्थान को जनगणना कस्बा माना जाता है । इन मानदण्डों को पूरा करने वाले जिन स्थानों को जनगणना कस्बा माना गया है वे हैं-- अम्बाला जिले के पिंजौर (ग्रामीण) और बषियाल, यमुनानगर जिले के मुस्तफाबाद, फरखपुर और बिलासपुर, करनाल जिले का ऊंचा सिवाना, रोहतक जिले का खेड़ी सांपला, गुड़गांव जिले के हुंडाहेड़ा और गुड़गांव (ग्रामीण) तथा रिवाड़ी जिले का धारुहेड़ा । गुड़गांव जिले का झाड़सा इस बार जनगणना कस्बे के रूप में वर्गीकृत किए जाने के लिए निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं कर पाया और इसलिए उसे 1991 के जनगणना कस्बों की सूची में से निकाल दिया गया है ।

इस प्रकार हरियाणा में कस्बों की कुल संख्या 94 तक पहुंच गई है जिनमें से 84 सांविधिक या नगरपालिका कस्बे है और 10 जनगणना कस्बे है । 1981 में हरियाणा में कस्बों की कुल संख्या 81 और 1971 में 65 थी ।

इस पेपर के नाम से ही पता चलता है कि यहां पर दिए गए जनसंख्या के आंकड़े पूर्णतः अनन्तिम है । इन आंकड़ों के आधार पर पिछले दशक के दौरान हुए जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के बारे में कोई व्यापक निष्कर्ष निकालना

उचित नहीं होगा । एकत्र किए गए इन बृहद आंकड़ों के संसाधन और सारणीकरण का कार्य पूरा हो जाने पर ही निश्चित निष्कर्ष निकाले जा सकेंगे ।

हिसार जिले के बनवाली से प्राप्त हड़प्पा शील की प्रतिकृति--
पूर्व सिंधु और सिंधु घाटी की सभ्यताओं का प्रतीक

अनन्तिम
जनसंख्या सारणियां

1991 की जनगणना

(अनन्तिम आंकड़े)

सारणी 1

जिलों के अनुसार जनसंख्या का वितरण, स्त्री/पुरुष अनुपात, वृद्धि दर और जनसंख्या का घनत्व

राज्य/जिला	जनसंख्या 1991			स्त्री/पुरुष अनुपात (स्त्रियां प्रति 1,000 पुरुष)		प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या का घनत्व		जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर	
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	1981	1991	1981	1991	1971—81	1981—91
राज्य	**16,317,715**	**8,705,379**	**7,612,336**	**870**	**874**	**292**	**369**	**+28·75**	**+26·28**
1 अम्बाला	1,106,275	582,503	523,772	885	899	359	464	+26·23	+29·19
2 यमुनानगर	818,401	434,623	383,778	855	883	368	466	+31·50	+26·72
3 कुरुक्षेत्र	635,658	336,564	299,094	873	889	427	522	+32·23	+22·21
4 कैथल	818,352	441,673	376,679	848	853	243	292	+27·58	+20·44
5 करनाल	880,213	469,711	410,502	856	874	356	447	+36·31	+25·75
6 पानीपत	831,754	448,540	383,214	851	854	356	474	+30·62	+33·22
7 सोनीपत	744,450	401,574	342,876	860	854	429	538	+26·32	+25·40
8 रोहतक	1,780,166	954,057	826,109	879	866	344	404	+20·99	+17·41
9 फरीदाबाद	1,466,393	800,460	665,933	811	832	468	697	+40·32	+48·71
10 गुड़गांव	1,128,905	598,283	530,622	880	887	313	409	+29·12	+30·68
11 रिवाड़ी	623,443	323,523	299,920	926	927	319	400	+24·58	+25·49
12 महेन्द्रगढ़	665,416	341,294	324,122	939	950	317	395	+25·79	+24·83
13 भिवानी	1,122,487	591,815	530,672	899	897	180	218	+30·84	+21·05
14 जीन्द	958,165	519,105	439,060	856	846	286	350	+23·35	+22·47
15 हिसार	1,835,555	983,401	852,154	867	867	237	292	+28·93	+23·23
16 सिरसा	902,082	478,253	423,829	877	886	165	211	+32·51	+27·58

1991 की जनगणना
(अनन्तिम आंकड़े)

सारणी 2

1901 से लेकर जनसंख्या में दशकीय अन्तर

राज्य/जिला	जनसंख्या में प्रतिशत दशकीय अन्तर								
	1901—1911	1911—1921	1921—1931	1931—1941	1941—1951	1951—1961	1961—1971	1971—1981	1981—1991
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
राज्य	**-9·70**	**+1·95**	**+7·14**	**+15·63**	**+7·60**	**+33·79**	**+32·22**	**+28·75**	**+26·28**
1. अम्बाला	-14·98	-1·37	+9·34	+14·83	+7·80	+18·96	+21·29	+26·23	+29·19
2. यमुनानगर	-16·68	-1·95	+7·54	+13·11	+7·92	+55·22	+29·89	+31·50	+26·72
3. कुरुक्षेत्र	-5·88	-0·72	+2·18	+17·21	+10·40	+59·95	+37·24	+32·23	+22·21
4. कैथल	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+44·03	+36·85	+27·58	+20·44
5. करनाल	-9·76	+3·52	+3·68	+18·36	+12·23	+30·06	+30·21	+36·31	+25·75
6. पानीपत	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A	+31·32	+28·87	+30·62	+33·22
7. सोनीपत	-10·51	+7·92	+4·75	+18·05	+14·83	+27·55	+25·53	+26·32	+25·40
8. रोहतक	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+26·23	+25·80	+20·99	+17·41
9. फरीदाबाद	-12·86	-6·84	+9·33	+14·98	+8·20	+32·40	+49·14	+40·32	+48·71
10. गुड़गाँव	-12·89	-6·71	+9·29	+14·94	+7·83	+29·13	+34·08	+29·12	+30·68
11. रिवाड़ी	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+21·73	+24·01	+24·58	+25·49
12. महेन्द्रगढ़	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+22·62	+24·62	+25·79	+24·83
13. भिवानी	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+28·76	+30·48	+30·84	+21·05
14. जीन्द	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+33·16	+36·45	+23·35	+22·47
15. हिसार	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	+46·80	+39·04	+28·93	+23·23
16. सिरसा	+3·37	+1·61	+9·97	+11·93	+3·63	+67·51	+43·96	+32·51	+27·58

1991 की जनगणना

(अनन्तिम आंकड़े)

सारणी 3

एक लाख और उससे अधिक की जनसंख्या वाले शहरों/नगरीय समूहों को दर्शित करने वाला विवरण

क्र. सं.	शहर का नाम	अनन्तिम जनसंख्या 1991			स्त्री/पुरुष अनुपात	कुल साक्षर※		
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां		व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	फरीदाबाद कम्पलेक्स	613,828	340,341	273,487	804	377,858	236,086	141,772
2.	रोहतक (न.पा.)	215,844	114,670	101,174	882	141,003	82,769	58,234
3.	पानीपत (न.पा.)	191,010	102,153	88,857	870	116,325	67,660	48,665
4.	सोनीपत (न.पा.)	142,992	76,436	66,556	871	91,692	54,506	37,186
5.	भिवानी (न.पा.)	121,449	64,902	56,547	871	72,156	44,154	28,002
6.	अम्बाला (न.पा.)	119,535	61,923	57,612	930	85,244	46,772	38,472
7.	सिरसा (न.पा.)	112,542	60,423	52,119	863	66,574	39,613	26,961
	नगरीय समूह का नाम							
1.	यमुनानगर (न.स.)	219,642	117,334	102,308	872	142,216	81,539	60,677
2.	हिसार (न.स.)	180,774	98,165	82,609	842	114,881	69,422	45,459
3.	करनाल (न.स.)	176,120	93,055	83,065	893	113,557	64,228	49,329
4.	अम्बाला (न.स.)	139,615	70,692	68,923	975	93,573	50,415	43,158
5.	गुड़गांव (न.स.)	134,639	71,150	63,489	892	96,415	55,049	41,366

※ 0—6 आयु समूह के बच्चे सम्मिलित नहीं हैं।

सारणी 4

साक्षरता

राज्य/जिला	कुल जनसंख्या 1991			साक्षर जनसंख्या 1991*		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
1	2	3	4	5	6	7
राज्य	**16,317,715**	**8,705,379**	**7,612,336**	**7,431,708**	**4,872,757**	**2,558,951**
1· अम्बाला	1,106,275	582,503	523,772	614,534	365,020	249,514
2· यमुनानगर	818,401	434,623	383,778	410,195	251,544	158,651
3· कुरुक्षेत्र	635,658	336,564	299,094	307,783	190,974	116,809
4· कैथल	818,352	441,673	376,679	282,995	196,586	86,409
5· करनाल	880,213	469,711	410,502	400,869	254,824	146,045
6· पानीपत	831,754	448,540	383,214	371,329	244,006	127,323
7· सोनीपत	744,450	401,574	342,876	389,462	253,554	135,908
8· रोहतक	1,780,166	954,057	826,109	955,540	591,382	364,158
9· फरीदाबाद	1,466,393	800,460	665,933	690,383	476,453	213,930
10· गुड़गांव	1,128,905	598,283	530,622	464,526	317,059	147,467
11· रिवाड़ी	623,443	323,523	299,920	330,641	216,884	113,757
12· महेन्द्रगढ़	665,416	341,294	324,122	303,614	206,675	96,939
13· भिवानी	1,122,487	591,815	530,672	486,801	335,610	151,191
14· जीन्द	958,165	519,105	439,060	362,550	255,306	107,244
15· हिसार	1,835,555	983,401	852,154	716,209	491,782	224,427
16· सिरसा	902,082	478,253	423,829	344,277	225,098	119,179

* 0—6 आयु समूह के बच्चे सम्मिलित नहीं है ।

2616|डी·सी·ओ·--सरकारी प्रैस, यू.टी., चण्डीगढ़